शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 251 | गुवाहाटी | बुधवार, 10 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हमारे आलोचक भी नहीं उठा सकते भारतीय इतिहास पर सवाल : डोभाल — पेज 2
भाजपा ने देश को किया एकजुट, कांग्रेस कर रही है विभाजन की कोशिश : सोनोवाल — पेज 3
राम मंदिर के निर्माण से इंडी गठबंधन को नफरत : नरेंद्र मोदी — पेज 5
सिंधू और लक्ष्य के सामने कठिन चुनौती, शुरुआती दौर में ही शीर्ष ... — पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जुए में लिप्त रहने वाले के कार्य पूरे नहीं होते हैं।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

केजरीवाल को राहत नहीं, एससी जाएगी आप

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख करेंगे। आम आदमी पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को -शेष पृष्ठ दो पर

चांद नहीं आया नजर, 11 को मनाई जाएगी ईद

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के किसी भी भाग से ईद का चांद निकलने की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए भारत में ईद-उल-फित्र का पर्व 11 अप्रैल यानी गुरुवार के दिन मनाया जाएगा। ऐतिहासिक जामा मस्जिद में आयोजित मरकजी रूयत-ए-हिलाल कमेटी की बैठक में यह फैसला लिया गया है। बैठक में चांद नहीं निकलने की जानकारी देते हुए कल मुसलमानों से रोजा रखने की -शेष पृष्ठ दो पर

नरेंद्र मोदी ने असम में स्थायी शांति स्थापित की दस से ज्यादा हुए शांति समझौते : अमित शाह

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में स्थायी शांति स्थापित की है। इस कारण राज्य के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। राज्य में 10 से ज्यादा शांति समझौते किए गए। नौ हजार से अधिक युवा हथियार छोड़कर राष्ट्र की मुख्य धारा में शामिल हुए। बोडो समझौते के प्रावधानों को लागू किया गया। अमित शाह मंगलवार को असम के लखीमपुर में निवर्तमान सांसद तथा भाजपा उम्मीदवार प्रदान बरुवा के समर्थन में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गृहमंत्री शाह ने कहा कि आज जहां एक तरफ राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडी गठबंधन है, वहीं दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 400 से अधिक सीटें जीतकर भाजपा अगले 5 वर्ष तक पूरे दम के साथ सरकार चलाएगी। अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी असम के कल्चर को लेकर बात करते हैं। लेकिन, यह सभी जानते हैं कि उनकी दादी के जमाने से ही असम में किस तरह अन्याय किया गया। जिस कारण हजारों युवा अशांति की राह पर चल पड़े। वहीं, हजारों युवा मारे गए। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में उग्रवाद हड़ताल, आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं हुआ। कांग्रेस की नीतियों के कारण लोगों में व्यापक पैमाने पर असंतोष बना रहा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न सिर्फ शांति स्थापित हुई, बल्कि आज स्थिति यह है कि बांग्लादेश से -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की एक इंच जमीन भी कब्जा नहीं कर सकता चीन : शाह

नई दिल्ली। भाजपा सरकार द्वारा घुसपैठ रोकने के लिए किए गए प्रयासों की सफलता गिनाते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बांग्लादेश से असम सीमा पर परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। लखीमपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने मोदी सरकार के दौरान पिछले 10 सालों में पूरे पूर्वोत्तर और खासकर असम में किए गए विकास, शांति

समझौते और असमिया संस्कृति को सुरक्षित करने के लिए किए गए प्रयासों का ब्यौरा दिया। असम में कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले में अमित शाह ने 14 में से 12 सीटें जीतने का लक्ष्य दिया। 2019 में भाजपा असम में नौ और 2014 में सात सीटें जीती थी। भारी भीड़ को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जनता के सामने दो विकल्प है। -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने कांग्रेस अध्यक्ष को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को उनके नेताओं के बयानों को लेकर नोटिस जारी किया है। आयोग का कहना है कि

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की ओर से बार-बार महिला गरिमा और सम्मान के उल्लंघन के मामले सामने आ रहे हैं। चुनाव आयोग ने अपने नोटिस में इन नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये हैं। कांग्रेस अध्यक्ष से कहा गया है कि अनुपालन से जुड़ी जानकारी 12 अप्रैल तक आयोग से साझा की जाए। आयोग का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आयोग द्वारा आपके स्तर पर पार्टी के संज्ञान में लाने के बावजूद कांग्रेस के प्रचारक अभी भी ऐसी बातें कह रहे हैं जो महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रतिकूल हैं। आयोग का नोटिस कांग्रेस नेता -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्य चुनाव आयुक्त को दी गई जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खतरे की आशंका को देखते हुए केंद्र सरकार ने यह फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हथियारबंद कमांडो से लैस

जेड श्रेणी की वीआईपी सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया है। खुफिया एजेंसियों की ओर से जारी किए गए अलट के बाद यह कदम उठाया गया है। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों की मानें तो राजीव कुमार के खिलाफ दुश्मन देश साजिश रचने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बाद ही उनकी सुरक्षा बढ़ाई गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने -शेष पृष्ठ दो पर

रक्षा मंत्री ने अरुणाचल की धरती से चीन पर साधा निशाना, कहा-

आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाने वाले को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है भारत

इटानगर (हि.स.)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल प्रदेश को अपने क्षेत्र में शामिल करने के इरादे से अरुणाचल प्रदेश के कुल 30 स्थानों के नाम अपने तरीके से रखने के लिए चीन की आलोचना की है। उन्होंने चीन की इस कार्रवाई पर हैरानी जताते हुए कहा कि अगर भारत इसी तरह से चीन के प्रांत को नया नाम देता है तो क्या पड़ोसी देश के वो इलाके भारत के बन जाएंगे? मंगलवार को अरुणाचल पूर्व लोकसभा क्षेत्र के नामसाई में एक चुनावी रैली को संबोधित

करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर चीन पूर्वोत्तर राज्य के 30 स्थानों के नाम बदल देता है तो वास्तविक सच्चाई नहीं बदलेगी। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं चीन से पूछना चाहता हूं कि अगर हम पड़ोसी देश के विभिन्न प्रांतों के नाम बदल दें तो क्या वे प्रांत हमारे देश का हिस्सा बन जाएंगे? ऐसी गतिविधियों के कारण ही भारत और चीन के बीच संबंध खराब हुए हैं। हम पड़ोसियों के साथ अच्छे -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए को लेकर एससी में आज हो सकती है सुनवाई

गुवाहाटी (हि.स.)। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर मंगलवार को उच्चतम् न्यायालय में सुनवाई नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि सीएए के संदर्भ में असम और त्रिपुरा से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए उच्चतम् न्यायालय द्वारा 9 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई थी। आज उच्चतम् न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश समेत नौ जजों की बेंच दिन भर शराब नीति से संबंधित मामले की सुनवाई में लगी रही। जिस कारण सीएए पर -शेष पृष्ठ दो पर

मेरे लिए अल्पसंख्यक समुदाय की तरक्की अहम, वोट नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम सीएम हिमंत विश्व शर्मा का कहना है कि बहुविवाह, बाल विवाह जैसे विषय लोकसभा चुनाव में मुद्दे नहीं हैं। सीएम ने कहा कि वह इन विषयों को सामाजिक बदलाव के लिए उठा रहे हैं। शर्मा ने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य की 14 सीटों में से सिर्फ तीन पर मुकाबला होगा, बाकी सीटों पर भाजपा एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज करेगी। जोरहाट में तीताबोर में एक इंटरव्यू में असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं हमेशा से कहता हूं कि वोट लेना अलग चीज है। हम अल्पसंख्यक समुदाय के लिए असली विकास चाहते हैं। अब वे मुझे वोट करते हैं या नहीं, इस बात का कोई मतलब नहीं है। असम सीएम ने कहा कि उनके लिए मायने ये रखता है

कि अल्पसंख्यक समुदाय समृद्ध बने। अगर अल्पसंख्यक समुदाय में बहुविवाह का चलन नहीं रुकेगा तो समुदाय कैसे समृद्ध होगा? अगर बाल विवाह जारी रहेगा तो समुदाय कैसे तरक्की करेगा? हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर लड़कियों को समान अधिकार नहीं मिलेंगे और उन्हें शिक्षा नहीं दी जाएगी तो मिंया समुदाय कैसे तरक्की करेगा? असम में बंगाली बोलने वाले मुसलमानों को मियां कहा जाता है। सीएम ने कहा कि मदरसा शिक्षा बंद होनी चाहिए और छात्रों को सामान्य शिक्षा दी जानी चाहिए। सीएम ने कहा कि मैं असम के मुस्लिम बहुल इलाकों में जाऊंगा, लेकिन मैं वोट की अपील नहीं करूंगा। मैं सिर्फ इन मुद्दों पर बात करूंगा। शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

आग से त्रासदी : बिहार में छह लोग जिंदा जले

रोहतास। रोहतास के एक घर में भीषण आग लग गई। इसमें एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। वहीं एक सदस्य गंभीर रूप से झुलस गए। इन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल

भेजा गया है। हालांकि, रोहतास प्रशासन ने अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि नहीं की है। घटना कछवां थानाक्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव की है। लोगों का कहना है कि खाना बनाने के दौरान घर में अचानक आग लगी गई। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इतना ही नहीं पूरा -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा के लिए चुनाव लड़ रहा बेटा, पिता है कांग्रेसी, बोले-

मेरा बेटा जीतना नहीं चाहिए

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए के एंटनी ने मंगलवार को कहा कि केरल की पत्तनमथिट्टा लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहा उनका बेटा अनिल के. एंटनी चुनाव में जीतना नहीं चाहिए। एंटनी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनके बेटे की पार्टी को हारना चाहिए और दक्षिण केरल निर्वाचन क्षेत्र में उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार एंटो एंटनी को जीतना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के बच्चों के भाजपा में शामिल होने

को भी *गलत* बताया। एंटनी ने अपने बेटे की राजनीति के बारे में पूछे गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस मेरा धर्म है। केरल के तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस के दिग्गज नेता ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ लगातार लड़ रही है। मुख्यमंत्री के आरोपों पर जवाब मांगे जाने पर एंटनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी लगातार मोदी, भाजपा और आरएसएस -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ : पीएम

भोपाल (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि अब तक जो विकास के कार्य किए हैं, वे तो फुलझड़ी हैं। अभी तो विकास के रॉकेट को और भी ऊंचाई पर लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में विकास के जो काम हुए हैं, वह सारे केवल ट्रेलर हैं। अभी बहुत कुछ करना है। देश को बहुत आगे लेकर जाना है। आप यानी जनता मेरी जिंदगी को बहुत अच्छे से जानती है। मोदी मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ है, मोदी मेहनत करता है, क्योंकि उसके लक्ष्य बहुत बड़े हैं। ये देश के लिए है, देश की जनता के उज्वल भविष्य के लिए है। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान बालाघाट में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। बालाघाट पहुंचने

पर प्रधानमंत्री का मंच पर महिलाओं ने स्वागत किया। उन्होंने मंच से कहा कि जय श्री कोटेश्वर महादेव, जय मां काली, जय मां गढ़कालिका। आज देश के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। आज नवरात्रि का भी आरंभ हुआ है। मैं आप सभी को नव वर्ष की और नवरात्रि की अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि बालाघाट की धरती भारत की नारी शक्ति के पराक्रम की साक्षी है। मैं रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई की इस धरती को प्रणाम करता हूं। आज जनता जनार्दन का जन सैलाब, ऐसा लग रहा है जैसे केसरिया सागर नजर आ रहा है। इतनी बड़ी तादाद में माताओं और बहनों का -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में चुनाव ड्यूटी पर तैनात होंगी सीएपीएफ की सौ और कंपनियां : ईसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए जरूरी कार्रवाई कर रही है। चुनाव आयोग ने आज (9 अप्रैल) गृह मंत्रालय को पश्चिम बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की 100 और कंपनियां तैनात करने का निर्देश दिया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर गृह मंत्रालय द्वारा सीआरपीएफ की 55 कंपनियां और सीमा सुरक्षा बलों की 45 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। अधिकारियों को 15 अप्रैल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हमारे आलोचक भी नहीं उठा सकते भारतीय इतिहास पर सवाल : डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भारतीय इतिहास को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास को लेकर कोई सवाल नहीं उठा सकता है, यहां तक की भारत के आलोचक भी नहीं। एनएसए अजीत डोभाल ने यह बयान मंगलवार को दिल्ली में *प्राचीन भारत का इतिहास* पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम के दौरान दिया। डोभाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय इतिहास के बारे में कुछ ऐसे सवाल थे जिन पर आपके आलोचकों सहित किसी ने भी सवाल नहीं उठाया। पहली इसकी प्राचीनता है कि यह सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और शायद मानव जीवन विकसित हो चुका था और समाज ने खुद को बहुत ऊपर तक परिपूर्ण कर लिया था। अब, यह किसने किया? क्या वे मूल लोग थे या वे बाहर से आए थे , वे इसके बारे में पक्षपाती हो सकते हैं, लेकिन वे सभी मानते हैं कि यह प्राचीन सभ्यता है। भारतीय सभ्यता की दूसरी विशेषता का उल्लेख करते हुए डोभाल ने *निरंतरता* पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दूसरा निरंतरता है। यानी अगर इसकी शुरुआत 4000 या 5000 साल पहले हुई तो यह आज तक लगातार जारी है। उसमें कोई व्यवधान नहीं है। तीसरी विशेषता इसका विशाल विस्तार था। यह कोई छोटा-मोटा गांव नहीं था जो आपको किसी विकसित द्वीप या उस जैसी किसी जगह पर मिलता हो। यह ऑक्सस नदी से लेकर संभवत: दक्षिण पूर्व एशिया और अन्य स्थानों तक है, जहां सभ्यता के पदचिह्न स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। डोभाल ने आगे कहा कि राष्ट्रीयता के सदस्य वे लोग हैं जो इतिहास की सामान्य समझ, अतीत में हमारे पूर्वजों की उपलब्धियों की सामान्य समझ और अपने भविष्य के लिए एक समान दृष्टि साझा करते हैं। इस विचार में विश्वास करने वाले सभी लोग हमारे राष्ट्र की एकता में योगदान देते हैं। डोभाल ने इसके अलावा इस बात पर जोर दिया कि अलेक्जेंडर की भारत यात्रा भारतीय इतिहास में एक घटना नहीं थी, बल्कि पश्चिमी इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी। डोभाल ने कहा कि अब, विरोधाभास यह है कि जब आप इतने विशाल क्षेत्र में 6000 या 8000 वर्षों के निरंतर इतिहास के विस्तार के बारे में सोचते हैं, तो जो कथा सामने आती है वह यह है कि संभवत: पश्चिमी जिलों में से किसी एक में भारतीय इतिहास के बारे में पहला अध्याय है। शुरुआत सिकंदर से होती है, कि सिकंदर पहला था...जिसने भारत की खोज की, और यह पूर्व पर पश्चिम की विजय थी। उसने भारत पर विजय प्राप्त की। डोभाल ने कहा कि सिकंदर केवल झेलम तक ही भारत की सीमा तक आया और फिर आगे नहीं बढ़ पाया। उन्होंने कहा कि लेकिन, तथ्य यह है कि जब भारत का इतिहास, या पश्चिम का इतिहास बताया जाता है तो आपको पश्चिमी उद्योग का पूरा इतिहास अलेक्जेंडर के इतिहास के बारे में मिलता है। एनएसए डोभाल ने बताया कि सबने इसका इतना बड़ा पहाड़ बना दिया, मानो सिकंदर के साथ दुनिया का इतिहास ही बदल गया हो।

दफ्तर की दीवार तोड़कर घुसा डंपर, एक की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के काहिलीपाड़ा में मंगलवार को तेज रफ्तार से आ रहा एक डंपर राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यालय में दीवार तोड़कर घुस गया। डंपर की चपेट में आने से सिपाझाड़ के निखिल डेका की मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

मजिस्ट्रेट लेह ने जिले में धारा 144 के तहत प्रभावी प्रतिबंधों को वापस लिया

लेह (हिंस)। जिला मजिस्ट्रेट लेह ने जिले में धारा 144 के तहत प्रभावी प्रतिबंधों को वापस ले लिया है। एक आदेश के तहत किसी भी तरह की शांति भंग करने और सार्वजनिक शांति में गड़बड़ी को रोकने के लिए सीआरपीसी की धारा 144 के तहत कुछ प्रतिबंध लगाए गए थे। लेह के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने एक पत्र में बताया है कि शांति और सार्वजनिक व्यवस्था के उल्लंघन की कोई आसन्न आशंका नहीं है और उन्होंने सिफारिश की है कि सीआरपीसी की धारा 144 के तहत लगाए गए प्रतिबंध वापस ले लिए जाए।

अब पटाखा फूटने पर भी पाकिस्तान सफाई देता है कि उसने कुछ नहीं किया : योगी

रामपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने बदलते भारत को देखा है। 2014 के पहले भारत के पासपोर्ट का सम्मान नहीं था। पहले पाकिस्तान भारत में कहीं भी विस्फोट कर देता था लेकिन आज तेज से पटाखा भी बज जाए तो पाकिस्तान पहले ही सफाई देता है कि हमने कुछ नहीं किया है। दुश्मन को पता है कि भारत की तरफ टेढ़ी नजर से देखेंगे तो वह मांद में घुसकर एयर स्ट्राइक से जवाब देना जानता है। यह वह भारत नहीं है, जो विस्फोट और आतंकी घटनाओं पर चुप हो जाता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को रामपुर में सांसद व भाजपा प्रत्याशी घनश्याम लोधी के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने उपस्थित लोगों को भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रामपुर से दूसरी बार घनश्याम लोधी को जिताने की अपील की। सीएम ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों के बलिदान दिवस को 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाने लगा है। पीएम मोदी ने करतारपुर साहब कॉरिडोर बनवा दिया तो अयोध्या में भी 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ और राम मंदिर का निर्माण हुआ। हमने समाज को जाति-खेमे में नहीं बांटा। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ नहीं दिया। हमने कहा कि भारत के हर नागरिकों का यहां के संसाधनों पर अधिकार है। अब जाति, मत-मजहब के आधार पर योजनाएं नहीं बनतीं, चयन का आधार *सबका साथ-सबका विकास* है।

भाजपा सोशल मीडिया पर सब पर भारी, 400 पार की पूरी तैयारी

रांची (हिंस)। लोकसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक पार्टियों की ओर से कमर कस ली गई है। चुनावी समर में इस बार सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। भाजपा सोशल मीडिया के जरिए 400 पार की पूरी तैयारी में जुटी है। दिन प्रतिदिन इसकी बढ़ रही उपयोगिता को देखते हुए विपक्ष की तुलना में भाजपा ने इसके लिए व्यापक तैयारी की है। झारखंड में सभी 14 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा इसके लिए आईटी प्रोफेशनल की बड़ी टीम खड़ी करने जा रही है। झारखंड की सभी 14 सीटों को जीतने के लिए भाजपा ने युवा टेक्नीशियन को चुनावी नैया पार लगाने के लिए विशेष जिम्मेदारी दी है। सोशल मीडिया के साथ-साथ विपक्षी नेताओं के बयान पर पलटवार करने में इनकी भूमिका होगी। भाजपा आईटी सेल में पहले से कार्यरत करीब 20 युवा प्रोफेशनल के अलावा जल्द ही 30 अन्य प्रोफेशनल आयेंगे।

The above is photograph of Sonali Baglary (18 Yrs.), D/O - Ando Baglary, Vill- Fullkuchi, PS-Paneri, Dist.-Udalguri who has been missing since 23/03/2024 from her house.

This refers to Paneri PS GDE No- 34, Dtd. 27/03/2024 and this office Man Missing Register Entry No. 49 Dtd. 02/04/2024

Descriptive Roll of the Missing Women :

1. Complexion : Fair
2. Age : 18 Year
3. Height : 5.2 Feet
4. L/Known : Asamese, Bodo
5. Wearing : Green Colour Dokhana

All efforts may be made to trace out/recover the above noted missing person at the earliest and result there of may be intimated to this office at the following helpline numbers for further necessary action : 6026901138 (Cell Phone)

-- Janasanyog /D/ 146/ 24/10-Apr-24 **Superintendent of Police, Udalguri, Assam**

श्रीलंकाई नौसेना ने भारतीय मछुआरों पर किया हमला, तीन घायल

चेन्नई (हि.स.)। विवादास्पद कच्चातिवु द्वीप के पास गहरे समुद्र में बीती रात श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कथित तौर पर किए गए हमले में रामेश्वरम के रहने वाले तीन मछुआरे घायल हो गए और उनकी दो नावें क्षतिग्रस्त हो गईं। पीड़ित सोमवार दोपहर को मछली पकड़ने गए थे। मछुआरा संघ के नेताओं के अनुसार मंगलवार तड़के समुद्र में उन पर हमला किया गया। यह द्वीप नेदुनथीवु (श्रीलंका) और रामेश्वरम (भारत) के बीच स्थित है। पारंपरिक तौर पर श्रीलंकाई तमिलों और तमिलनाडु के मछुआरों द्वारा इस इलाके में मछली पकड़ने का काम होता रहा है। रामेश्वरम ऑल मैकेनाइज्ड बोट्स फिशरमेन एसोसिएशन के अनुसार इस पूरी घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह मिली। घायलों में थंगाचीमादम के मैकेना, नेताजी नगर के राजेंद्रन और रामेश्वरम के थंगम हैं। रामेश्वरम ऑल मैकेनाइज्ड बोट्स फिशरमेन एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. इमारिट ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि घटना सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात 1 से 2 बजे के बीच हुई लेकिन साथी मछुआरों के मंगलवार की सुबह 5 बजे तट पर पहुंचने के बाद ही इसकी पूरी जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि पीड़ितों में से राजेंद्रन को सिर पर चोटें आईं। घायलों का इलाज रामेश्वरम के जनरल हॉस्पिटल में चल रहा है। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा मछली पकड़ने के जालों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। उन्होंने बताया कि दो अन्य मछुआरों को भी मामूली चोटें आईं और एक अन्य नाव मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हुई है।

नैनीताल में खाई में गिरा वाहन, आठ की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के नैनीताल में बड़ा हादसा हो गया जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई। नैनीताल जिले के बेतालघाट के पास मैक्स वाहन खाई में गिर गया। इसी बीच आनन-फानन में आपदा कंट्रोल रूम, नैनीताल द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि बेतालघाट के पास एक वाहन खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है, जिसमें रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। उक्त सूचना पर एसडीआरएफ टीम उप निरीक्षक राम सिंह बोरा के हमराह मय आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। उक्त वाहन (के40-सीसी-0495) ऊंचाकोट से महेंद्रनगर नेपाल की ओर जा रहा था, जिसमें 10 लोग सवार थे। वहीं एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 150 मीटर नीचे गहरी खाई में उतरकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया। स्थानीय लोगों व पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाते हुए एसडीआरएफ टीम द्वारा घटना में मृत 08 लोगों के शवों को बाहर निकाला गया व 02 अन्य घायलों को निकालकर अस्पताल भिजवाया गया।

पृष्ठ एक का शेष

नरेंद्र मोदी ने ...

एक परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। बांग्लादेश से होने वाले घुसपैठ को पूरी तरह रोक दिया गया। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि कांग्रेस के जमाने में काजीरंगा में व्यापक पैमाने पर गैंडों का शिकार हुआ करता था। काजीरंगा की भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर लिया गया था। शंकरदेव की जन्मभूमि बटद्रबा थान में अवैध कब्जा कर लिया गया था। अमित शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की सरकार ने न सिर्फ काजीरंगा तथा शंकरदेव की भूमि को घुसपैठियों के दखल से आजाद कराया, बल्कि काजीरंगा में गैंडों के शिकार को पूरी तरह बंद करा दिया। गृहमंत्री ने कहा कि मुगलों को पराजित करने वाले लाचित बरफूकन के प्रति कांग्रेस की सरकार ने लंबे समय तक कुछ नहीं किया लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में लचित बरफूकन की गगनचुंबी प्रतिमूर्ति स्थापित की गई। लचित बरफूकन की कथा देश के हर बच्चे तक पहुंचाने के लिए इसे 23 भाषाओं में अनूदित करवाया गया। गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से कहा कि देश का भाग्य तभी बदलता है, जब असम और पूर्वोत्तर का भाग्य बदलता है। देश का तभी विकास होता है, जब असम और पूर्वोत्तर विकसित होता है। गृहमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के 80 फीसदी भू-भाग से आर्म्ड फोर्स स्पेशल पावर एक्ट (आफ्सपा) हटाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में भाजपा की सरकार ने स्थायी शांति बहाल की है। गृहमंत्री ने कहा कि सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह की कांग्रेस सरकार ने 2004 से 2014 तक 10 वर्षों में असम के विकास के मद में एक लाख 62 हजार करोड रुपए दिए थे, लेकिन नरेंद्र मोदी ने 2014 से 2024 तक 10 वर्षों में चार लाख 15 हजार करोड़ रुपए दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 95 हजार करोड़ रेलवे के लिए, 30 हजार करोड़ सड़क के लिए, 10 हजार करोड़ एयरलाइंस के लिए दिए गए। कार्यक्रम के दौरान गृहमंत्री के साथ मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा के साथ ही स्थानीय उम्मीदवार प्रदान बरुवा एवं कई अन्य वरिष्ठ मंत्री, विधायक एवं भाजपा नेता मौजूद थे।

भारत की एक इंच ...

एक है प्रधानमंत्री मोदी और दूसरी तरफ राहुल गांधी का इंडी गठबंधन। लेकिन यह याद रखना चाहिए कि कांग्रेस सरकार के काल में असम को घुसपैठ, उग्रवाद और अशांति का केंद्र बन गया था। कांग्रेस आज असमिया संस्कृति की रक्षा की बात कर रही है और इससे सावधान रहने की जरूरत है। शाह ने कहा कि 1962 में चीन के आक्रमण के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु के रेडियो संदेश असम को बाई-बाई बोल दिया था। कांग्रेस भले ही इसे भूल गई होगी, लेकिन असम की जनता कभी भी नहीं भूल सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम समझौते के तहत युवाओं के साथ किए गए वायदे को भी पूरा नहीं किया। वहीं भाजपा की सरकार ने बोडो समझौते के तहत किए सभी वायदे को दो सालों के भीतर पूरा करके दिया। इन शांति समझौतों की वजह से असम विकास और खुशहाली के नए रास्ते की ओर अग्रसर है। अमित शाह ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने से राजस्थान की जनता का कोई मतलब नहीं होने के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पूरा देश एक है और जनता एक-एक जमीन को अपना मानती है। 1962 में असम को भाग्य भरोसे छोड़े जाने की तुलना में 2020 में गलवान में चीन को मुंहतोड़ जवाब दिये जाने से करते हुए उन्होंने मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा के इंतजाम इतना दुरुस्त है कि चीन आज भारत का एक इंच जमीन भी कब्जा नहीं कर सकता। असम में मोदी सरकार दौरान चलाई गई विकास योजनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि देश का भाग्य असम के भाग्य से जुड़ा है और देश का विकास तभी होगा, जब असम का विकास होगा। इसके साथ ही शाह ने कांग्रेस के घोषणापत्र में मुस्लिम पर्सनल ला को स्थापित करने के वायदे का हवाला देते हुए कहा कि इसके विपरीत असम की हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार बाल विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया है और उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने समान नागरिक संहिता को लागू कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के दौरान 500 साल के इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना है।

ईसी ने कांग्रेस ...

रणदीप सिंह सुरजेवाला के हेमा मालिनी पर की गई हालिया टिप्पणी के संदर्भ में है। इसमें कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के भी मामले का जिक्र है। आयोग का कहना है कि सुरजेवाला से जवाब तलब किया जा रहा है। इसी बीच आयोग ने इस बात को भी गंभीरता से लिया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बार-बार इस तरह का उल्लंघन कर रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त...

इसके लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को 40-50 कर्मियों की एक टुकड़ी उपलब्ध कराने को कहा है। यह कदम लोकसभा चुनाव के शुरू होने से पहले उठाया गया है। दरअसल, देशभर में सात चरणों में 19 अप्रैल से मतदान शुरू होगा। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों की ओर तैयार की गई रिपोर्ट में सीईसी को खतरा बताया गया और रिपोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त के लिए कड़ी सुरक्षा की सिफारिश की गई थी। अब सुरक्षा बढ़ाए जाने के बाद देशभर में यात्रा के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त *जेड* श्रेणी की सुरक्षा घेरे में रहेंगे।। बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 1984 बैच के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने 15 मई 2022 में 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर कार्यभार संभाला था। उन्हें एक सितंबर, 2020 को चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था।

आत्मसम्मान पर चोट...

संबंध बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन, अगर कोई हमारे आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने का प्रयास करता है तो भारत के पास मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले चीन ने अरुणाचल प्रदेश का नाम जंगनान रखा था और इस प्रांत में 11 आवासीय क्षेत्र, 12 पहाड़ियां, चार नदियां, एक झील, एक पर्वत और एक भूमि का नाम अपने नाम रखा था। यह पहली बार नहीं है जब चीन ने ऐसा किया है। इससे पहले चीन ने 2017, 2021 और 2023 में भी इसी तरह की हरकतें की थीं।

सीएए को लेकर ...

सुनवाई का समय नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि 11 मार्च से पूरे देश में यह कानून लागू हो चुका है। सूत्रों के अनुसार असम में सीएए से जुड़े मामले में सुनवाई की अगली तारीख बुधवार दोपहर तक घोषित होने की संभावना है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच असम में सीएए से जुड़े मामले की सुनवाई करेगी। असम संयुक्त महासंघ, एनईएसओ, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन, असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद, कांग्रेस नेता और असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया के अलावा असम और पूर्वोत्तर के कई अन्य दलों और संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सीएए पर रोक लगाने की मांग की थी।

मेरे लिए अल्पसंख्यक ...

कहा कि चुनाव तो हैं, लेकिन ये मुद्दे चुनाव से भी बड़े हैं और मैं चुनावी राजनीति की मदद से लक्ष्यों को हासिल करने की कोशिश करूंगा। शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में तीन सीटों पर ही मुकाबला हो सकता है और बाकी 11 सीटों पर उन्हें एकतरफा तरीके से जीत मिलेगी। हालांकि सीएम ने उन तीन सीटों के बारे में नहीं बताया। सीएम ने कहा कि असम में विपक्षी गठबंधन का अस्तित्व नहीं है और असल मुकाबला भाजपा, कांग्रेस और एआईयूडीएफ में ही होगा।

आग से त्रासदी...

घर भी जलकर राख हो गया। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की गाड़ियों के जरिए आग पर काबू पाया गया। पुलिस-प्रशासन की टीम राहत और बचाव कार्य में जुट गई है। मरने वालों में 30 वर्षीय पुष्पा देवी, उसकी तीन पुत्री, एक पुत्र मोहन कुमार तथा गर्भवती ननद 25 वर्षीय माया देवी शामिल हैं। इस मामले में कच्छवां के थानेदार ने बताया कि घर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। इस हादसे में गर्भवती महिला और बच्चे समेत एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। सिविल सर्जन डॉ के.एन तिवारी ने बताया कि घटना में एक बच्चा 95 प्रतिशत जल गया है, जिसे एम्बुलेंस भेजकर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है। उसकी हालत गंभीर है।

मेरा बेटा जीतना...

के खिलाफ लड़ रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि केरल के लोग मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के आरोपों को गंभीरता से लेंगे। उन्होंने कहा कि बीजीपी पार्टी राष्ट्रीय मुद्दों पर कोई रुख नहीं अपना रही है। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक हर दिन आगे बढ़ रहा है और बीजेपी नीचे जा रही है। मुझे लगता है कि यह हमारे लिए सरकार बनाने का मौका है। सोमवार को, केरल के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया था कि भाजपा और कांग्रेस केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड को निशाना बना रहे हैं, बावजूद इसके कि वह राजनीतिक विचारों के बिना राज्य भर के निर्वाचन क्षेत्रों में विकास सुनिश्चित कर रहा है। पथानामथिट्टा जिले में एक चुनाव अभियान के तहत पत्रकारों को संबोधित करते हुए, विजयन ने कहा कि कांग्रेस केंद्रीय जांच एजेंसियों के लिए एक एजेंट के रूप में काम कर रही है, जिन्होंने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईबी) के खिलाफ जांच शुरू की है। बता दें कि एंटनी एक भारतीय राजनीतिज्ञ और ऊपरी सदन, राज्य सभा से भी संसद के सदस्य है, जो भारत सरकार की पंद्रहवीं लोकसभा के मंत्रीमंडल में रक्षा मंत्रालय में मंत्री रह चुके हैं। इससे पहले वे केरल राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे।

मोदी मौज करने ...

आशीर्वाद साफ दिखा रहा है कि चार जून को मध्य प्रदेश में क्या परिणाम आने वाले हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि ये चुनाव नए भारत का मिशन है। विधानसभा चुनाव में जनता ने कांग्रेस को साफ कर दिया। कांग्रेस चुनाव नहीं, आपस में लड़ रही है। कांग्रेस सरकार अपनी शिकायत लेकर दूसरों के पास जाती थी, अब जो देश आपस में लड़ रहे हैं, हल खोजने भारत आते हैं। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भारत की 21वीं सदी का है। यह नए भारत के निर्माण का मिशन है। यह विकसित भारत और विकसित मध्य प्रदेश के संकल्प को नई उर्जा देने वाला चुनाव है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मन में आजादी के आंदोलन का अहंकार भरा पड़ा था। कांग्रेस कहती थी कि हम तो गरीब देश हैं, देश को आधुनिक सड़कों की एयरपोर्ट की आखिर क्या जरूरत है? कांग्रेस केवल कुछ शहरों, जहां उनके बड़े नेता रहते थे, वहां का विकास करती थी। भाजपा सरकार हर जगह को प्राथमिकता दे रही है। भाजपा सरकार मप्र का कायाकल्प कर रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक जो काम किया है, वो केवल फुलझड़ी है। भाजपा सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए काम कर रही है। मध्य प्रदेश में 5.50 करोड़ जरूरतमंदों को मुफ्त राशन दे रहे हैं। एमपी में 70 लाख घरों में नल से जल की व्यवस्था कर दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस किसी आदिवासी को नहीं, अपने शाही परिवार को आजादी का श्रेय देना चाहती है। यह हमारी सरकार है, जिसने जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत की। मोदी के लिए पूरा देश ही मोदी का परिवार है। मोदी किसी की गीदड़ भभकी से डरने वाला नहीं है। भाजपा सरकार करप्शन के एक-एक रास्ते को बंद कर रही है, मैं कहता हूं भ्रष्टाचार हटाओ, वो कहते हैं भ्रष्टाचारियों को बचाओ। उन्होंने कहा कि मोदी महाकाल का भक्त है। मैंने देश विरोधी ताकतों को अंजाम तक पहुंचाने के लिए सीखा है। हम इन गीदड़ भभकियों से नहीं डरते हैं। इंडी गठबंधन के लोग मोदी से चिढ़े हुए हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर ये लोग मोदी को गाली देते हैं। सनातन धर्म को समाप्त करने की सौगंध खाकर इंडी गठबंधन के लोग मैदान में उतरे हैं। मोदी ने कहा कि इनकी पार्टियों के पास से सैकड़ों करोड़ों रुपए कैश मिल रहे हैं। कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचारियों को बचाने में जुटे हैं। मैं आपको गारंटी देता हूं कि भ्रष्टाचार का पैसा जिन-जिन तिजोरी में गया है, मैं उसे निकालकर रहूंगा। अगले पांच साल और तेजी से यह काम होगा। प्रधानमंत्री से पहले भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते ने मंच से जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश में चार करोड़ पीएम आवास दिए हैं। दो करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का फैसला प्रधानमंत्री मोदी ने लिया है। उन्होंने किसानों का सम्मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी किसानों का सम्मान किया।

बंगाल में चुनाव ड्यूटी ...

या उससे पहले पश्चिम बंगाल में सीएपीएफ की अतिरिक्त 100 कंपनियों की तैनाती पूरी करने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले सोमवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेताओं ने एक बार फिर से बंगाल में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया। इस मामले में डेरेक ओ ब्रायन, डोला सेन, साकेत गोखले और सागरिका घोष सहित टीएमसी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों को लेकर चुनाव आयोग से मुलाकात की। टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान मांग की कि सीबीआई, एनआईए, ईडी और आयकर विभाग के प्रमुखों को बदला जाए। मालूम हो कि टीएमसी लगातार आरोप लगाती रही है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के इशारे पर विपक्षी दलों को निशाना बना रही हैं। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के भूपतिनगर में शनिवार सुबह राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम पर हमला हुआ। एनआईए अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के एक नेता के घर पर 2022 में हुए विस्फोट मामले की जांच के लिए वहां पहुंचे थे, तभी उग्र भीड़ ने उनकी कार पर पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे गाड़ी की विंडस्क्रीन क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना में एक अधिकारी घायल हो गए।

केजरीवाल को राहत ...

केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अदालत का मानना है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन नहीं है। रिमांड को अवैध नहीं ठहराया जा सकता। केजरीवाल ने गिरफ्तारी के साथ-साथ मामले में उन्हें ईडी की हिरासत में भेजने को भी चुनौती दी थी। वह इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार तथा धनशोधन से संबंधित है। धन शोधन रोधी एजेंसी की दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने से हाईकोर्ट के इनकार के कुछ ही घंटे बाद ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार कर लिया था। ईडी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर निचली अदालत में पेश किए जाने के बाद उन्हें एक अप्रैल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

चांद नहीं आया ...

अपील की गई है। जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने कहा है कि देश के किसी भी भाग से ईद का चांद निकलने की सूचना नहीं मिली है। सभी स्थानों पर संपर्क किया गया है मगर कहीं से चांद निकलने की पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए फैसला लिया गया है कि ईद-उल-फित्र का पर्व 11 अप्रैल गुरुवार को मनाया जाएगा। कल रमजान माह का 30 वां रोजा रखा जाएगा। शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने देशवासियों को ईद की मुबारकबाद देते हुए कहा है कि ईद का पर्व रमजान के 30 रोजे रखने के बाद आता है। हमें इसको खुशी-खुशी मनाना चाहिए। अपने आस-पड़ोस के गरीबों का भी ख्याल रखना चाहिए, उन्हें भी अपनी खुशियों से शामिल करना चाहिए। शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने भी ईद का चांद नहीं दिखाई देने की तस्दीक करते हुए 11 अप्रैल को ईद मनाए जाने की घोषणा की है। उन्होंने सभी को ईद की मुबारकबाद पेश की है।

इफ्तार पार्टी में विधायक लोरेंस इस्लारी हुए शामिल

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत संदलाटारी मस्जित प्रांगण में यूपीपीएल दल एव कराइटरी वीसीडीसी के सोजाने से सामोहिक इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस इफ्तार पार्टी में 30 नंबर कोकराझाड़ विधानसभा के विधायक लोरेंस इस्लारी शामिल हुए ओर इफ्तार किये। साथ ही यहां यूपीपीएल कोकराझाड़ जिला सचिव जगत नाथ, कराइटरी वीसीडीसी अध्यक्ष मनोवार हुसैन, फकीराग्राम यूपीपीएल ब्लॉक समिति के अध्यक्ष रुसैन नार्जारी, साधारण सचिव हजरत अली सहित कई नेता ओर कर्मी के साथ साथ इस इफ्तार पार्टी में शामिल सैकड़ों की संख्या में आम जनता उपस्थित थे।

भाजपा ने देश को किया एकजुट, कांग्रेस कर रही है विभाजन की कोशिश : सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। *गरीबी उन्मूलन* के लिए कांग्रेस सिर्फ नारेबाजी करती है और भाजपा गारंटी देती है। भाजपा *गरीबी हटाओ* की गारंटी देने वाली पार्टी है। भाजपा शासन में विगत 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाया है। मंगलवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता सर्वानंद सोनोवाल एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। सोनोवाल डिब्रूगढ़ संसदीय क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार भी हैं। सोनोवाल ने मंगलवार को दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र के तहत धारिया, टेंगाखाट और घन्ही फूकनबाड़ी तथा टिंगखांग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ओफुलिया टी एस्टेट, कुशल नगर और निगम पांचआली में सार्वजनिक बैठकों में भाग लेते हुए विपक्ष पर जमकर हमला बोला। इस दौरान सोनोवाल के साथ केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, दुलियाजान के विधायक तेरस ग्वाला, टिंगखांग के विधायक और असम सरकार में मंत्री बिमल बोरा आदि भी मौजूद थे। सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि देश का भाग्य तभी बदलेगा, जब असम का भाग्य बदलेगा। मोदी के दस साल के शासन में असम के विकास पर पूरा ध्यान दिया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जीवन स्तर के उत्थान और गुणवत्ता में सुधार की दिशा में अथक प्रयास कर रही है। भाजपा ने समाज के समग्र विकास के साथ समावेशी शासन प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के विकास कार्यों व कल्याणकारी योजनाओं के समक्ष कांग्रेस नेतृत्वाधीन विपक्ष के पास चुनाव लड़ने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। सोनोवाल ने लोगों से *झाड़ू* और *जहाज* पार्टियों से सतर्क रहने का आह्वान किया, क्योंकि यह पार्टियां धार्मिक आधार पर भेदभाव के बीज बोने की साजिश रच रही है ।

कोकराझाड़ : अवैध भूटानी शराब सहित स्कूटी चालक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रानीघूली की दादगिरी समवाय द्वारा भारत-भूटान पिलर संख्या-169/5 के पास वाहन चेकिंग के दौरान भूटान से भारत की ओर आ रहे टीवीएस स्कूटी संख्या एएस -26-एफ-0183 को रोक कर पूछताछ व चेकिंग की गई, जिसमें अवैध तरीके से भूटनी शराब लाते हुए पाया गया एवं इससे संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर चालक द्वारा किसी भी प्रकार की दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया। इसके बाद भूटानी शराब, स्कूटी सहित चालक को गिरफ्तार कर कस्टम ऑफिस हातिसार को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपूर्द कर दिया गया। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

कांग्रेस का समय खराब चल रहा है : रंजीत दत्ता

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार रंजीत दत्ता ने कहा है कि फिलहाल कांग्रेस का समय खराब चल रहा है। यही वजह है कि चुनाव प्रचार का हेलीकॉप्टर स्टार्ट ही नहीं होता है। भाजपा उम्मीदवार दत्ता ने मंगलवार को एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के हेलीकॉप्टर स्टार्ट नहीं होने को लेकर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि जब बुरे दिन आते हैं तब विभिन्न प्रकार से परेशानी होती है। कांग्रेस के हेलीकॉप्टर में पता नहीं तेल कहां से मिल रहा है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भूपेन बोरा का खुद का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। न ही उनमें चुनाव लड़ने की हिम्मत ही है। यदि भूपेन बोरा में हिम्मत होती तो वह लखीमपुर से स्वयं चुनाव लड़ते। रंजीत दत्ता ने कहा कि भूपेन बोरा जागते हुए ही सपने देखते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अभी किसी भी प्रकार से भाजपा का प्रतिद्वंद्वी नहीं बन सकती है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का यहां कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि हर तरफ भाजपा ही भाजपा नजर आ रही है। हर भाजपा विधायक के बीच में प्रतिस्पर्धा है कि चुनाव में कौन अधिक वोट ला सकता है। इस दौरान रंजीत दत्ता ने पत्रकारों के कई सवालों के उत्तर दिए।

एनटीपीसी ने गर्ल एंपावरमेंट मिशन का नया संस्करण किया लांच

कोकराझाड़ (विभास)। एनटीपीसी लिमिटेड, भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी, अप्रैल 2024 से अपनी प्रमुख सीएसआर पहल, गर्ल एंपावरमेंट मिशन (जीईएम) का नवीनतम संस्करण लांच करने की तैयारी में है। नया संस्करण समाज के गरीब वर्गों से लगभग 3000 प्रतिष्ठित बच्चों को 42 पहचानी गई शक्ति मुख्य स्थानों पर जोड़ेगा, जिससे लाभार्थियों की कुल संख्या 10, 000 के पार हो जाएगी। यह कार्यक्रम भारत सरकार की *बेटी बचाओ, बेटी*

पढ़ाओ पहल के साथ मेल खाता है और लड़कियों की भावनाओं को पोषित करने और उनके संभावित अवसरों का अन्वेषण करने की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। लक्ष्य उन्हें परिवर्तन के उत्सर्जक बनाना है, जो केवल उन्हें ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों, समुदायों, और राष्ट्र को प्रभावित करें। अब तक, जीईएम ने कुल 7, 424 लड़कियों का लाभ उठाया है, जिनकी संख्या हर साल धीरे-धीरे बढ़ रही है। 2023 में अकेले, 16 राज्यों के 40 स्थानों पर एनटीपीसी के संदर्भ में 2, 707 लड़कियों ने कार्यशाला में भाग लिया। जीईएम मिशन, 2018 में एक पायलट परियोजना के रूप में शुरू किया गया था, जिसमें सिर्फ तीन स्थानों और 392 प्रतिभागियों थे, और तब से यह पूरे देशव्यापी आंदोलन बन गया है। 2020 और 2021 में परिप्रेक्ष्य में उत्पन्न की गई चुनौतियों के बावजूद, कार्यक्रम अपनी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने का काम जारी रखा है। जीईएम कार्यशाला को कौशल विकास, आत्म-विश्वास निर्माण, और मेंटरशिप के लिए पूर्णतया दृष्टिकोण से प्रशंसा प्राप्त हुई है। लड़कियों को आवश्यक साधनों और अटल समर्थन से लैस करके, एनटीपीसी का लक्ष्य आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य की राह खोलना है।

मणिपुर : दो अपहृत रिहा सात अपहर्ता गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम के साथ राज्य के अलग-अलग स्थानों पर चलाये गए अभियानों के दौरान दो अपहृत व्यक्तियों को रिहा कराया। जबकि, अभियानों के दौरान सात अपहर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गई औपचारिक सूचना के अनुसार मणिपुर पुलिस ने थौबल में एक और अपहृत व्यक्ति को बचाया और खोइरोम सनाथोई मैतेई (23), थोकचोम मोथोमर मैतेई (18), लैशराम अहेंद्रजीत मैतेई (31), फैंडोम अंगो सिंह (18) और हाओरोकचम चितरंजन सिंह (31) के रूप में पहचाने गए पांच लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोग व्यक्ति के अपहरण में शामिल थे।

10 करोड़ की हेरोइन समेत तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। वशिष्ठ थानांतर्गत बेलतला रूपकोंवार पथ से करीब 10 करोड़ की 1 किलोग्राम प्योर हेरोइन बरामद किया गया। इसके साथ ही 3 लोगों को 3 मोबाइल के साथ गिरफ्तार भी किया गया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान सुमन तालुकदार (32) डिगबोई, अदुलमी गयारी (35) उदालगुड़ी, तथा सिलापथार के नरसिंग बसुमतारी (57) के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार एसटीएफ के तेज तर्रार पुलिस अधिकारी कपिल पाठक को खबर मिली थी कि बेलतला तिनिआली के भारत पेट्रोलियम के बगल में बड़े पैमाने पर ड्रग डीलिंग होने वाली है। उन्होंने इसके लिए जाल बिछाया, जब सुबह के करीब 10 बजे 3 ड्रग तस्कर आपस में हेरोइन का आदान प्रदान कर रहे थे। तभी उन्हें धर दबोचा गया। तस्करों के अनुसार यह ड्रग्स डिमापुर से लाया गया था। जिसे किसी को सौंपा जाना था। एसटीएफ अधिकारी कपिल पाठक के अनुसार बहुत दिनों के बाद इतना प्योर हेरोइन बरामद हुई है।

श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति की सभा संपन्न

नई कार्यकारिणी समिति का गठन

नगांव (निसं)। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति नगांव की एक सभा गत दिनों श्री मारवाड़ी पंचायत धर्मशाला में समिति के अध्यक्ष प्रहलाद राय तोदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभा में सर्वप्रथम अध्यक्ष द्वारा सभा प्रारंभ की घोषणा की गई। सचिव राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा द्वारा विगत बैठक का प्रतिवेदन सभा के सम्मुख रखा गया। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष महेंद्र करवा ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। बद में समिति के अध्यक्ष श्री तोदी ने कार्यकारिणी समिति सहित इस्तीफा दिया तथा नई कार्यकारिणी गठन प्रणाली पर विचार-विमर्श कर प्रहलाद राय तोदी को पुनः अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया एवं राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा को सचिव बनाया गया पूर्व की तरह इस बार भी सभी उपाध्यक्ष एवं सह मंत्री को उनका कार्यभार सौंपा गया। उपाध्यक्ष पद पर कुछ फेरबदल कर दिलीप कुमार बगड़िया, नेमीचंद डाबड़ीवाल को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उप समिति में प्रसाद समिति के संयोजक जगदीश धूत एवं सह संयोजक नितिन मुंदड़ा को बनाया गया प्रचार सचिव व मंच संचालन का संयोजक अजित महेश्वरी, शोभा यात्रा संयोजक अजय मित्तल को एवं विद्युत संचालित झांकियो का संयोजक शिवचरण पोद्दार, विद्युत साज एवं सज्जा का संयोजक पवन कुमार गाड़ोदीया, अभिषेक हेतु संयोजक महावीर झवर, अर्थ संग्रह संयोजक जगदीश प्रसाद सोलंकी को, मंदिर श्रृंगार व जगरण का संयोजक पवन आलमपुरिया, सफाई संयोजक बिनोद कुमार धूत, पंडाल संयोजक कैलाश मुंदड़ा, आथित्य सत्कार संयोजक अशोक शर्मा व बाजार विभाग का संयोजक मुकेश पोद्दार को बनाया गया। इनके साथ ही और भी कई समितियां का गठन कर उनका संयोजक नियुक्त किया गया एवं उनकी समिति बनाई गई। 26 अप्रैल को नगांव में मतदान होने के चलते इस बार श्री हनुमान जन्मोत्सव को चैत्र शुक्ल पूर्णिमा से आरंभ ना कर पूर्णिमा के दिन समापन किया जाएगा। मेले को 20 अप्रैल से 23 अप्रैल तक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। जबकि ब्रह्मपुत्र के जल से जलाभिषेक करने हेतु कलश यात्रा 18 अप्रैल को निकाली जाएगी। शोभा यात्रा 21 अप्रैल को निकली जाएगी हवन, महाप्रसाद (भंडारा) के साथ 24 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव का चार दिवसीय आयोजन समापन होगा। सभी समिति संयोजकों को उनके अनुसार नृत्य नाटिका भजन संध्या हेतु कलाकारों का चयन करने के लिए कहा गया एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाकर आगे की सभा में रखने का कहा गया। सभा के अंत में सचिव राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

रंगिया के विभिन्न चुनाव क्षेत्र में निगरानी टीमें तैनात

रंगिया (विभास)। रंगिया चुनाव जिले में निगरानी दल, कानून प्रवर्तन और नियामक एजेंसियां नकदी, शराब, ड्रग्स आदि के सभी अवैध लेनदेन पर नकेल कसने के लिए 24/7 कड़ी निगरानी रख रही हैं। क्योंकि रंगिया निर्वाचन जिले में आगामी 26 अप्रैल दूसरे चरण के मतदान के दिन की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए कुल मिलाकर, 16 फ्लाइंग स्क्वायड टीम (एफएसटी), 16 स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) और 4 वीडियो सर्विलांस टीम (वीएसटी) को रंगिया चुनाव क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया है। कमलपुर और रंगिया विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत एफएसटी और एसएसटी बाजार, राजमार्गों आदि सहित चुनिंदा स्थानों पर रणनीतिक और यादृच्छिक जांच कर रहे हैं। अब तक आबकारी विभाग द्वारा की गई अनुमानित जब्ती में आई/डी-34 लीटर, एफ/डब्ल्यू-550 किलोग्राम, आईएमएफएल-127 बीएल, बीयर-20.3 बीएल, अन्य शामिल हैं। कमलपुर में एक एसएसटी द्वारा आज 2.5 लाख रुपए की नकद जब्ती की गई। वास्तविक समय के डेटा को इकट्ठा करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सभी निगरानी टीमों के वाहनों में जीपीएस भी लगाए गए हैं। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन, व्यय से संबंधित अवैध गतिविधियों आदि की शिकायतों की निगरानी के लिए विशेष रूप से नियुक्त किए गए कर्तव्यों के साथ एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है ।

महारानी दुर्गावती के 500वें जन्मोत्सव पर दैनंदिनी का विमोचन

गुवाहाटी। भारतीय नववर्ष के अवसर पर मंगलवार को विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र एवं शिशु शिक्षा समिति, असम की दैनंदिनी की विमोचन असम प्रकाशन भारती सभागार में किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के कार्यालय सचिव लालजी सोनारी ने किया। इस अवसर पर विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय संगठन मंत्री केएन रघुनंदन, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के संगठन मंत्री नीरव घेलाणी, शिशु शिक्षा समिति, असम के प्रांत मंत्री कुलेंद्र कुमार भगवती की विशेष उपस्थिति रही। प्रतिवर्ष भारतीय कैलेंडर के आधार पर दैनंदिनी का प्रकाशन किया जाता है। रघुनंदन जी द्वारा दोनों दैनंदिनियों के विमोचन के बाद डॉ. पवन तिवारी ने महारानी दुर्गावती के जीवन के बारे में जानकारी प्रदान की। दैनंदिनी का विमोचन मुगलों के छक्के छुड़ाने वाली वीरांगना दुर्गावती को समर्पित करते हुए किया गया।

जुबिन गर्ग ने गुवाहाटी में हीरो के नए डीलर का किया उद्घाटन

गुवाहाटी। असम के हार्टथ्रोब जुबिन गर्ग ने हाल ही में गुवाहाटी के लालमाटी में नए दोपहिया हीरो डीलरशिप इन्फिनिटी ऑटोमोटिव का उद्घाटन किया। गौरतलब है कि, बहुप्रतीक्षित उच्च-स्तरीय स्पोर्ट्स बाइक मेवरिक को डीलर पर उपलब्ध घोषित किया गया। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि शोरूम में एक संयुक्त उद्यम के हिस्से के रूप में हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिलें भी प्रदर्शित की जाएंगी। हर ग्राहक की सुविधा के लिए डीलर हीरो मोटरसाइकिल की बिक्री और सेवा दोनों एक साथ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। डीलर हीरो के दोपहिया उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करेगा, जहां हीरो के वाहनों की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे स्प्लेंडर, ग्लैमर आदि के अलावा, इलेक्ट्रिक ईवी उत्पादों का एक सहकारी ब्रांड विदा भी शामिल है।

गणगौर विसर्जन मेले में कई प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

विभिन्न संगठनों की ओर से दी जाएगी निःशुल्क सेवाएं

गुवाहाटी। श्री गणगौर तीज महोत्सव समिति की ओर से आगामी 11 अप्रैल को फैंसी बाजार के एमजी रोड स्थित काछुमारीघाट में गणगौर विसर्जन मेले का विराट आयोजन किया जाएगा। अध्यक्ष विशाल भातरा ने बताया कि इस भव्य आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया उपस्थित रहेंगे। सचिव मनमोहन सिकरिया ने बताया कि इस अवसर पर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। वहीं विभिन्न संगठनों की ओर से निःशुल्क सेवाएं भी दी जाएंगी। कार्यक्रम संयोजक विवेक सांगानेरिया ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच की कामाख्या शाखा की ओर से गणगौर सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में हाथ से सजाई गई गणगौर को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके पीछे संस्था का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को राजस्थानी संस्कृति एवं परंपरा से जोड़े रखना है। वहीं मारवाड़ी महिला एकता मंच की ओर से सोलाह श्रृंगार प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मारवाड़ी समेल्लन महिला शाखा की ओर से ईशर-गोरा, ननद-भोजाई, देवराणी-जेठाणी, सास-बहू आदि की जोड़ी प्रतियोगिता का आयोजन दोपहर 1.30 बजे से 4.30 बजे तक ही किया जाएगा। इन सभी प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा मेले के दौरान विभिन्न संगठनों की ओर से आयोजन स्थल पर कई तरह की सेवाएं दी जाएंगी। इनमें मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, चेतना लेडीज क्लब, श्री राणी सती सत्संग समिति एवं श्री राणी सतीजी महिला समिति, श्री ढांढण शक्ति महिला समिति, श्री छाजल अमरी शक्ति समिति, बैद्यनाथ आसाम कांवरिया सेवा समिति, गुवाहाटी युवा कांवर संघ, लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद, असम बैद्यनाथ (युवा) कांवड़ संघ, श्री राम सेवकगण आदि संगठन शामिल हैं। समिति के कोषाध्यक्ष संजय मोर ने बताया कि गणगौर विसर्जन मेले का आयोजन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे के बीच किया जाएगा। निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल शर्मा (कालू) ने बताया कि गणगौर मूर्तियों को आयोजन स्थल से महाबाहू ब्रह्मपुत्र में विसर्जन करने हेतु समिति की ओर से कार्यकर्ताओं के माध्यम से विशेष व्यवस्था की गई है। कार्यकारी सदस्य आदर्श शर्मा (बाबली) ने सभी माताओं एवं बहनों से समय पर पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया है। आयोजन को सफल बनाने में अजय अग्रवाल, बिकी बाजोरिया, दिनेश सिकरिया सहित सभी सदस्य जुटे हुए हैं।

भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ चार गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस द्वारा राज्य में अलग-अलग स्थान पर चलाए गए अभियान में भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया गया। इन अभियानों के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आज दी गई जानकारी के अनुसार मणिपुर पुलिस ने दो व्यक्तियों मोहम्मद नूरहमान उर्फ नूराहामान (51) और एक महिला इबेम को गिरफ्तार किया। दोनों बिष्णुपुर जिले के तेराखोंगसांगबी के क्वाक्टा, बिष्णुपुर के निवासी हैं। उनके कब्जे से 5.587 किलोग्राम वजनी संदिग्ध अफीम और 1.006 किलोग्राम वजनी भूरे रंग का पाउडर (ब्राउन शुगर/हेरोइन होने का संदेह) बरामद किया गया। वहीं, एक अन्य ऑपरेशन में मणिपुर पुलिस ने इम्फाल पूर्वी जिले के खाबेइसोई से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान उखरुल के खयिंग लोंगवा (44) और कामजोंग के नगहान्युई काशुंग (37) के रूप में हुई है। उनके कब्जे से लगभग एक किलोग्राम वजन का संदिग्ध प्रतिबंधित हेरोइन पाउडर और एक कार जब्त की गई।

बिश्वनाथ में हिंदू नववर्ष प्रतिपदा उत्सव के साथ आरएसएस प्रमुख डॉ. केशवराव बलीराम हेडगेवार की मनी जयंती

विश्वनाथ (विभास)। बिश्वनाथ चारिआलि शहर के बहु-बाजार में स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नेताजी शाखा द्वारा आज शाखा के प्रागंण में वर्ष प्रतिपदा उत्सव तथा परम पूजनीय डॉ. केशवराव बलीराम हेडगेवार का 135वीं जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बिश्वनाथ जिला मुख्य मार्ग प्रमुख व समाजसेवक डॉ. (चिकित्सक) सरजीत दास, विश्वनाथ नगर कार्यवाहक अपूर्व कुमार दास, विश्वनाथ जिला बौद्धिक प्रमुख दिपांकर देवनाथ, विश्वनाथ जिला प्रचारक कार्तिक गढ़ को मंचासीन करवाया गया। इसके बाद अति विशिष्ट अतिथि विश्वनाथ जिला मुख्य मार्ग प्रमुख डॉ. सरजीत दास ने भारत माता तथा गुरुजी के तस्वीर के सम्मुख दीप-प्रज्जवलन व माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उपस्थित नेताजी शाखा के स्वयंसेवक ने भारत माता व गुरुजी के श्रीचरणों में पुष्पांजलि अर्पित की। शाखा के स्वयंसेवक ऋषि काश्यप ने सभी के समक्ष अमृत वाणी और जिला प्रचारक कार्तिकगढ़ ने देशभक्ति गीत प्रस्तुति दी। अतिथि बौद्धिक के रूप में दीपांकर देवनाथ ने आज दिन के महत्व तथा अंग्रेजी नववर्ष

के साथ तुलना करके हिंदू नववर्ष पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। साथ ही आज के विशेष दिन में सृष्टि की रचना का प्रारंभ दिवस, भगवान विष्णु का प्रथम अवतार, भगवान रामजी का राज्याभिषेक, आर्य समाज स्थापना दिवस और संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार जयंती आदि विषयों पर प्रकाश डाले। कार्यक्रम का समापन जय हिंद, भारत माता तथा वन्दे मातरम के जयघोष से हुआ। कार्यक्रम शाखाएं कार्यवाह सुदीप्त दे, मुख्य शिक्षक अभीजीत विश्वास, प्रार्थना प्रमुख देवराज दास, गणशिक्षक मुन नाथ, स्वयंसेवक कल्प सरकार, विजनकृष्ण दास, मंजीत दास, आदित्य पाल, देवजीत सरकार और राष्ट्रीय सेविका समिति के सेविका रूद्राक्षी काश्यम, अंशु रंजक, निकु रजक, पायल पाल विशेष सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पूर्ण गणवेश सभी उपस्थित थे।

संपादकीय

सियासी उत्कंठा में उत्पीडऩ

सवाल उपचुनावों में फिर हिमाचल के कद और सामर्थ्य से कहीं बड़े हो जाएंगे। हर चुनाव की अमानत में जनता के सरोकार खोटे हो जाते हैं या चलते हुए नेता खोटे सिक्के हो जाते हैं। भाजपा हो या कांग्रेस चुनावों की फेहरिस्त ने नेताओं के बोल छोटे कर दिए। भाव-भंगिमाओं के चुनाव में हिमाचल अब रहता ही कहां है। हम एक चुनावी कबीला कब बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता, लेकिन किसी को परिवारवाद, किसी को जातिवाद, किसी को क्षेत्रवाद और किसी को अब आलाकमान की सरकार बनानी है। नेता अब धरती पर कम पार्टियों की छाती पर मूंग दलते अधिक मिलते, लेकिन राजनीति के गुनाहों ने मित्रों की टोलियां बनाकर पलटवार शुरू कर दिए। हिमाचल की सियासत में विरासत का दर्द झलकता है, तो वाईएस परमार, वीरभद्र सिंह, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल और जयराम ठाकुर का संसार दिखाई देता है। बदल गई है राज्य की संवेदना, सरोकार और दृष्टि। अब छोटे से हिमाचल के कई छोटे टुकड़े भटक रहे हैं, इसलिए कद में सियासत नहीं, पद में विरासत देखी जा रही है। परिदृश्य से कुछ नेताओं की कहानियां बार-बार याद दिलाती हैं कि स्वार्थ सिद्धि के चलते प्रदेश कदमों में नहीं, घुटनों के बल चलने की कोशिश कर रहा है। संभावना अगर अतीत में श्यामा शर्मा के कालखंड में राजनीतिक विदाई को अवसर दे रही थी, तो याद करें वह दौर जब पंडित सालिग राम की पगड़ी पर प्रहार हुआ था। ठाकुर कर्म सिंह बनाम वाईएस परमार या वीरभद्र सिंह बनाम पंडित सुखराम के दौर से निकली राजनीतिक उत्कंठा में उत्पीडऩ बढ़ता रहा है। उत्पीडऩ के शिलालेख इतनी बेदर्दी से लिखे जा रहे हैं कि हिमाचल का राजनीतिक इतिहास एक तरह के गुरिल्ला युद्ध में फंस कर रह गया है। अब बात ऊपरी और निचले हिमाचल की नहीं रही, नेताओं के व्यक्तिगत पंथ पर आधारित सियासत चलने लगी है। प्रेम कुमार धूमल सरकार की फांस बने विधायक आज अगर चकनाचूर हुए, तो सुक्खू सरकार के दरपेश फिर इसी तरह के मुकाबले के अवतार इस बार उपचुनाव बने हैं। राख हुए थे महल जहां सिंहासन रखे थे, आज के महाराजा अब कुर्सी के साथ नत्थी हैं। सत्ता के चुंबक ने सारा चरित्र खींच लिया, अब तो मंसूबों के द्वंद्व बिकते हैं। राजनीतिक हत्याओं के अंबार में दो नाम पूरी सियासत की कनपटी पर रखी बंदूक की तरह सदा सचेत करेंगे। भाजपा के डा. राजन सुशांत और कांग्रेस के मेजर विजय सिंह मनकोटिया के इर्द-गिर्द रहा राजनीतिक उफान बताता है कि कितने सिरकटे मजमून आहें भरते हैं। कभी जनता की निगाहों में ये नेता नायक बनकर उभरे, लेकिन सत्ता की राहों ने इन्हें खलनायक बना दिया। ये नेता हमने चुने, तो सत्ता के चुनाव में क्यों फनां हुए। रमेश धवाला भी हादसे का शिकार हुए तो इसलिए कि राजनीति का कर्मकांड अब चढ़ती सीढियों को उल्टा करने में माहिर है। ऐसे में उपचुनावों के फलक महज नतीजे नहीं, भविष्य की राजनीतिक फांस हैं। वर्तमान सत्ता के कुल नौ दोषी हैं, जिनमें छह कांग्रेस के विधायक रहे हैं। इनमें दो बड़े नाम राजेंद्र राणा व सुधीर शर्मा हैं, तो उनके लिए अतीत के एहसास को जीना आसान नहीं। हिमाचल के चुनावों में कई समीकरण और कई उबाल हैं, लेकिन राजनीति का शीर्षासन अगर कहीं हो रहा है, तो धर्मशाला और सुजानपुर के विधानसभा हलके हमेशा याद किए जाएंगे। यह भाजपा की बढ़त से कहीं अधिक दो नेताओं की कुंडली में घुसे शैतान से मुकाबला है। उस फितरत से पुनः जंग है जो इससे पहले ठाकुर कर्म सिंह, पंडित सुखराम, सालिग राम, डा. राजन सुशांत और मेजर विजय सिंह मनकोटिया ने लड़ी थी। यह बाघ-बकरी का मुकाबला नहीं, बल्कि अग्नि और बारूद का युद्ध है। सुलगते मसले बारूदी चुनाव की छाती पर किस तरह युद्ध क्षेत्र को हथियाते हैं, यह आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन धर्मशाला-सुजानपुर के मैदान पर राजनीति अपने सबसे कठिन मोर्चे पर महाभारत लिख रही है। फिर महाभारत के पात्र कोसे जाएंगे, लेकिन अभिशप्त तो यह धरती ही होगी।

भाजपा हो या कांग्रेस चुनावों की फेहरिस्त ने नेताओं के बोल छोटे कर दिए। भाव-भंगिमाओं के चुनाव में हिमाचल अब रहता ही कहां है। हम एक चुनावी कबीला कब बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता, लेकिन किसी को परिवारवाद, किसी को जातिवाद, किसी को क्षेत्रवाद और किसी को अब आलाकमान की सरकार बनानी है। नेता अब धरती पर कम पार्टियों की छाती पर मूंग दलते अधिक मिलते, लेकिन राजनीति के गुनाहों ने मित्रों की टोलियां बनाकर पलटवार शुरू कर दिए। हिमाचल की सियासत में विरासत का दर्द झलकता है, तो वाईएस परमार, वीरभद्र सिंह, शांता कुमार, प्रेम कुमार धूमल और जयराम ठाकुर का संसार दिखाई देता है। बदल गई है राज्य की संवेदना, सरोकार और दृष्टि। अब छोटे से हिमाचल के कई छोटे टुकड़े भटक रहे हैं, इसलिए कद में सियासत नहीं, पद में विरासत देखी जा रही है। परिदृश्य से कुछ नेताओं की कहानियां बार-बार याद दिलाती हैं कि स्वार्थ सिद्धि के चलते प्रदेश कदमों में नहीं, घुटनों के बल चलने की कोशिश कर रहा है।

भारत के लक्ष्य के तहत आम आदमी की खुशहाली बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर अभी से प्रशासनिक स्तर पर रणनीति बनाई जाना शुरू हो गई

विकसित भारत की दरकार है खुशहाली

डा. जयंतीलाल भंडारी

देश के आम आदमी के जीवन स्तर में वृद्धि, गरीबी में कमी, रोजगार के मौके बढ़ाने जैसे विभिन्न मुद्दों पर अधिक प्रयासों से ही देश खुशहाली के उस स्तर पर पहुंच सकता है, जोकि विकसित भारत की महत्वपूर्ण दरकार है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 21 मार्च को प्रकाशित विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 को भी ध्यान में रखा जाना जरूरी है, जिसमें 143 देशों में भारत को 126वां स्थान दिया गया है। गौरतलब है कि विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 के तहत सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण जैसे कारकों के आधार पर विश्व भर के देशों का आकलन कर रैंकिंग तैयार की गई है।

यद्यपि जून 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्त रूप लेने में दो माह बाकी हैं, लेकिन 2047 में विकसित भारत के लक्ष्य के तहत आम आदमी की खुशहाली बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर अभी से प्रशासनिक स्तर पर रणनीति बनाई जाना शुरू हो गई है। देश के आम आदमी के जीवन स्तर में वृद्धि, गरीबी में कमी, रोजगार के मौके बढ़ाने जैसे विभिन्न मुद्दों पर अधिक प्रयासों से ही देश खुशहाली के उस स्तर पर पहुंच सकता है, जोकि विकसित भारत की महत्वपूर्ण दरकार है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 21 मार्च को प्रकाशित विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 को भी ध्यान में रखा जाना जरूरी है, जिसमें 143 देशों में भारत को 126वां स्थान दिया गया है। गौरतलब है कि विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2024 के तहत सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण जैसे कारकों के आधार पर विश्व भर के देशों का आकलन कर रैंकिंग तैयार की गई है। पिछले वर्ष भी इस रैंकिंग में भारत 126वें स्थान पर था। इस रैंकिंग में फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल देश है। नॉर्डिक देश खुशहाली सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। इनमें डेनमार्क और आइसलैंड ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया है। स्वीडन चौथे नंबर पर है। यद्यपि इस वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट के प्रकाशित होने के बाद दुनिया के कोने-कोने से लोग इसे अतार्किक और अविश्वसीय बनाते हुए टिप्पणियां कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यूरोपीय विद्वानों के द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदण्डों पर आधारित खुशहाली की रैंकिंग देने वाली यह सूची भ्रमित करने वाली है। इस रैंकिंग पर भरोसा नहीं होता है। इस खुशहाली की रैंकिंग में भारत से चार पायदान ऊपर 122वें पर स्थित पाकिस्तान दुनियाभर में महंगाई, ऋणग्रस्तता, धार्मिक आजादी व लोकतांत्रिक चुनौती से ग्रस्त ऐसे देश के रूप में चर्चित है जिस देश की सत्ता में सांप्रदायिक कट्टरपंथी जमात अग्रिम पंक्ति में है। कदम-कदम पर धार्मिक पाबंदियों वाला कुवैत दुनिया का 13वां सबसे खुशहाल देश है। इतना ही नहीं, फिलिस्तीन के साथ निर्मित युद्ध से जिस देश के हजारों लोगों के चेहरों पर निराशाएं दी हैं, उस इजराइल को दुनिया का पांचवां सबसे खुशहाल देश बताया गया है। इतना ही नहीं, युद्ध से पीड़ित क्षतिग्रस्त, हजारों मौतों का सामना कर रहा रूस 72वें, फिलस्तीन 103वें तथा यूक्रेन 105वें क्रम पर है। ये देश पीड़ाओं, निराशाओं व युद्ध के बावजूद भारत से अधिक खुशहाली की रैंकिंग

दर्शा रहे हैं। इस विश्व खुशहाली रिपोर्ट में बेमेल गणनाएं की गई हैं। इस सूची के तहत दुनिया की सबसे अधिक आबादी रखने वाले भारत और भारत की आबादी से एक फीसदी से भी बहुत कम आबादी रखने वाले देशों की जनसंख्या चुनौतियों व समस्याओं के मद्देनजर तुलनाएं करते हुए भी खुशहाली की गणना की गई है। प्रश्न यह है कि भारत जैसे दुनिया की बड़ी आबादी के साथ दुनिया के सातवें सबसे बड़े भूभाग रखने वाले भारत की तुलना दुनिया के छोटे-छोटे कम आबादी व कम चुनौतियां रखने वाले देशों से कैसे की जा सकती है? खुशहाली को महज आर्थिक प्रगति और संसाधनों की अधिकता के मद्देनजर देखा जाना उपयुक्त नहीं है। जिन कई देशों को दुनिया के अधिक खुशहाल देश बताया गया है, वहां आबादी बहुत कम है, चुनौतियां भी बहुत कम हैं तथा धार्मिक विद्वेष भी नहीं हैं। ऐसे कई छोटे देशों की सरकारों को किसी समस्या को सुलझाने में ज्यादा समय नहीं लगता है। ऐसे देशों की तुलना बड़ी-बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे विशाल देशों से कैसे की जा सकती है? इस वैश्विक खुशहाली सूची में भारत के संबंध में कुछ ऐसे विश्व स्तर पर चमकीले परिदृश्य को ध्यान में नहीं रखा गया है जिनके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक सहित दुनिया के कई आर्थिक-सामाजिक संगठन अपने शोध पत्रों के आधार पर भारत में नए प्रयासों की सराहना करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत में मानव विकास के तहत गरीबी में कमी लाने के प्रयास को भारी सफलता मिली है। पिछले एक दशक में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। पूरी दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि भारत आम आदमी को डिजिटल दुनिया से जोडऩे वाला दुनिया का प्रमुखतम देश है। भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है। भारत में सरकार के द्वारा गरीबों व किसानों के बैंक खातों में सीधे 32 लाख करोड़ से अधिक धनराशि भेजकर उनका सशक्तिकरण किया गया है। चाहे खुशहाली की सूची में विभिन्न देशों की रैंकिंग अनुचित और अन्यायपूर्ण ढंग से की गई है, लेकिन हमें भारत में आम आदमी के आर्थिक कल्याण, आम आदमी की आमदनी बढ़ाने तथा खुशहाली के विभिन्न पैमानों पर बहुत आगे बढऩे के लिए अभी मीलों चलना है। हमें भारत में खुशहाली बढ़ाने व आय असमानता के बड़े अंतर को कम करने के लिए बड़े प्रयास करने हैं। 21 मार्च को प्रकाशित न्यूयार्क यूनिवर्सिटी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022-23 में भारत की कुल आय का 22.6 फीसदी हिस्सा सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के पास गया। वर्ष 2022-23 में देश की सबसे अमीर एक फीसदी आबादी के पास राष्ट्रीय संपत्ति का 39.5 फीसदी हिस्सा था, जबकि सबसे गरीब 50 फीसदी आबादी के पास केवल 6.5 फीसदी हिस्सा था। यह परिदृश्य बताता है कि भारत में असमानता बढ़ी है। स्टडी में कहा गया है कि भारत में संपत्ति टैक्स सिस्टम प्रतिगामी है, जिसका अर्थ है कि अमीर लोग अपनी संपत्ति के अनुपात में कम टैक्स दे रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में बड़े निवेशों को फंड करने के लिए टैक्स शेड्यूल में बदलाव करके आय और धन दोनों को टैक्स योग्य बनाया जाना होगा। हमें देश में मानव विकास के विभिन्न पैमानों पर तेजी से आगे बढऩे पर ध्यान देना होगा। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) रिपोर्ट 2022 में भारत 193 में से 134वें स्थान पर है। यद्यपि भारत की रैंकिंग में पिछले वर्ष की एचडीआई-2021 रिपोर्ट के मुकाबले एक पायदान का सुधार हुआ है। भारत पिछले 34 वर्षों से 131 से 135वें स्थान पर झूल रहा है। एचडीआई का तात्पर्य मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों- लंबा और स्वस्थ जीवन, शिक्षा तक पहुंच और सभ्य जीवन स्तर में औसत उपलब्धियों के आकलन से है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र ने नए मानव विकास सूचकांक में भारत की औसत बढ़त को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ कहा है। पिछले एक वर्ष में भारतीयों की औसत आमदनी में 6.3 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। भारत में जीवन प्रत्याशा में शानदार वृद्धि हुई है। एक वर्ष पहले भारत में जीवन प्रत्याशा का औसत 62.2 था जो अब बढक़र 67.7 हो गया है। भारत ने लैंगिक असमानता को कम करने में भी प्रगति प्रदर्शित की है।

दृष्टि कोण

परिवारवाद की जकड़न में फसता लोकतंत्र

भारत एक मजबूत लोकतांत्रिक देश है। यह सभी जानते हैं कि भारत में जनता के लिए जनता का ही शासन है। जनता के शासन का सीधा तात्पर्य यही है कि जनता अपने बीच के किसी व्यक्ति को नायक बनाकर अपना प्रतिनिधि बनाती है। लोकतंत्र में जनता की पसंद और नापसन्द को ही महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन आज हमारे देश में राजनीतिक दल अपने ही परिवार के कुछ लोगों को जबरदस्ती आगे करके नायक बनाने का खेल खेल रहीं हैं। यह खेल निश्चित रूप से लोकतंत्र को कमजोर करने वाला कहा जा सकता है। इस श्रेणी में एक या दो दल नहीं, कमोवेश हर राजनीतिक दल आज परिवारवाद की राह का अनुसरण करने के लिए अग्रसर हो रहा है। सवाल यह आता है कि आज नेता का बेटा या बेटी को ही विरासत सौंपने का चलन क्यों बढ़ रहा है, जबकि सारे राजनीतिक दल विशेषकर विपक्षी राजनीतिक दल लोकतंत्र को बचाने का नाराज बुलंद करने का सब्जबाग़ दिखा रहे हैं। अभी कुछ दिन पूर्व दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी राजनीतिक दलों ने लोकतंत्र बचाने के नाम पर एक रैली की, जिसमें परिवार को राजनीतिक विरासत सौपने की ही राजनीति दिखाई दी। इसका तात्पर्य यही हो सकता है कि अब विपक्षी दल लोकतंत्र के बजाय परिवारवाद को ज्यादा महत्वपूर्ण मान रहे हैं। लोकसभा चुनाव में सत्ता चाह की रास्ते तलाश करने वाला विपक्ष आज पूरी तरह से परिवारवाद की राजनीति को ही चरितार्थ करने की ओर अग्रसर होता दिखाई दे रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिरफ़्तारी के पश्चात विपक्षी राजनीतिक दलों की राजनीति परिवार को आगे लाने की क़वायद करने वाली ही लग रही है। पहले कांग्रेस, समाज़वादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना उद्धव ठाकरे और राष्ट्रीय जनता दल केवल अपने परिवार को ही आगे करके राजनीति करते रहे और आज भी कर रहे हैं, लेकिन अब इस दिशा में आम आदमी पार्टी और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा भी शामिल हो गयी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अब सक्रिय राजनीति में कदम रख दिया है। हालांकि वे जनता की सहानुभूति पाने के लिए अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक अस्तित्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास करेंगी, लेकिन केजरीवाल पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर विपक्ष की ओर से कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। जिस भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आज से एक दशक पूर्व दिल्ली के

रामलीला मैदान से पटकथा लिखी गई, आज वही रामलीला मैदान भ्रष्टाचार के आरोप लगने पर केजरीवाल को बचाने का गवाह बना। लोकतंत्र बचाने के नाम पर की गयी इस रैली को किसी आभासी प्रहसन से कम नहीं कहा जा सकता। अगर केजरीवाल ने कुछ किया नहीं होता तो उसे न्यायालय से आरोप मुक्त करके छोड़ दिया जाता। पहले प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत के बाद अब केजरीवाल न्यायिक हिरासत में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं। ऐसे में यह भी स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के पास अपने बचाव के लिए ठोस प्रमाण नहीं हैं। यह बात सही है कि एक समय दिल्ली की जनता भ्रष्टाचार और वर्तमान राजनीतिक कार्य प्रणाली से बहुत त्रस्त हो गई थी, ऐसी स्थिति में जनता को केजरीवाल में एक नायक दिखाई दिया, जो जननायक बनने की श्रेणी में आ सकता था, लेकिन ज़ब उन पर और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने लगे, तब इस पटकथा की इबारत बदली हुई सी लगने लगी। अब आप पार्टी के नेता और राज्यसभा के सांसद संजय सिंह दो लाख के निजी मुचलके पर जेल से सशर्त बाहर आए तो उनका स्वागत ऐसे किया गया, जैसे वे आरोप मुक्त हो गए हों। आम आदमी पार्टी के इस प्रकार के चरित्र को देखकर यही कहा जा सकता है कि जो पार्टी राजनीति में बदलाव लाने का सपना दिखाकर मैदान में आई थी, आज वह भी समय के अनुसार बदल गई है। खैर यहां परिवारवाद की बात हो रही है। आप नेता संजय सिंह जेल से छूटने के बाद अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल से मिलने पहुंचे। यह वाकया निश्चित ही यह संकेत दे रहा है कि अब संभवतः सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सपनों को पूरा करने वाली हैं। यह बात एक दम प्रामाणिक रूप से कही जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा परिवारवाद है।

कुछ अलग

इलैक्टोरल बॉण्ड

चुनावी बॉण्ड असंवैधानिक करार कर उनसे राजनीतिक दलों को चुनाव फण्डिंग न किए जाने के सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद यह संज्ञान में रहना चाहिए कि कम से कम मान्य चुनावी प्रक्रियाओं के संदर्भ में चुनावी बॉण्ड से मिला धन शुचिता वाला धन न होकर काले धन के समतुल्य ही था। दुखद यह रहा कि जब प्रजातांत्रिक चुनावों में काले धन का वर्चस्व हर बीतते चुनावों के साथ बढ़ता ही जा रहा था, चुनावी बॉण्ड की गुमनामी धनराशि भी उसी रूप में इसमें मददगार भी हो रही थी। जब ये एन चुनावों के पहले जारी होते थे, तब तो खासकर इनसे पाए करोड़ों रुपयों से राजनीतिक दलों को चुनाव लडऩे में आसानी होती थी। लगभग पांच साल देरी से आए इस निर्णय से पहले चुनावों में गैर-बराबरी जारी थी। इससे कई दलीय उम्मीदवारों की हार-जीत पर असर भी पड़ा होगा। जब चुनावी फण्डिंग की चुनावी बॉण्ड योजना आई थी, तो संसदीय परम्परा के विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का विचार था कि राजनीतिक दल चुनावों में कालेधन का भारी उपयोग करते हैं। राजनीतिक दलों को इन बॉण्डों को देने वालों का नाम जाहिर करना बाध्यकारी नहीं है, अतः पारदर्शिता का अभाव तो रहेगा ही। जिनका गैर-कानूनी काम किया गया है वे भी तो नेताओं के कहने पर उनके दलों को बॉण्ड दे सकते हैं। फर्जी कम्पनियों के माध्यम से राजनीतिक बॉण्ड खरीदकर राजनीतिक आकाओं के दलों को उपकृत करने की संभावनाओं से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। ऐसा धन राजनीतिक इस्तेमाल के लिए शुचिता वाला धन कैसे हुआ? अक्टूबर 2023 में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी का बयान था कि इलैक्टोरल बॉण्ड के पहले जो कुछ पारदर्शिता थी वह भी खत्म हो गई। पहले राजनीतिक दलों को बीस हजार रुपए और उससे ज्यादा धन देने वालों की सूची चुनाव आयोग के पास होती थी। वह उनको सार्वजनिक भी करता था, परन्तु इलैक्टोरल बॉण्ड जारी होने के बाद यह अनिवार्यता और पारदर्शिता भी नहीं रही। समाचारों में ही था कि नवम्बर 2023 में जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे, वहां जब्त राशि पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले सात गुणा ज्यादा थी। यदि सालों के अंतराल के बाद 31 अक्टूबर 2023 से चुनावी बॉण्ड की वैधता पर पुनः शुरू हुई सुनवाई पूरी होने के बाद भी उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने अपना निर्णय 2 नवम्बर 2023 को सुरक्षित न रखा होता तो शायद नवम्बर 2023 के विधानसभा चुनावों के पहले चुनावी बॉण्ड जारी भी न होते। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 29 शाखाओं से 29वीं बार 6 नवम्बर से 20 नवम्बर 2023 के दौरान चुनावी बॉण्डों की बिक्री, खरीददारी हुई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में जो दो नवम्बर के काफी बाद हुए थे, कुछ राजनीतिक दलों को चुनावी बॉण्ड का फायदा मिल ही गया। पहली बार चुनावी बॉण्ड मार्च 2018 में बिके थे। इसके बाद वे विभिन्न सालों में विभिन्न अवधियों में बिकते रहे। अप्रैल 2021 में भी गैर-सरकारी संस्था एडीआर (एसोसियेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स) ने सुप्रीमकोर्ट में दायर याचिका में तब कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा के चुनावों के पूरे होने तक इलैक्टोरल बॉण्ड की बिक्रियों पर रोक लगाने की मांग की थी, किन्तु बेंच ने उसे खारिज कर दिया। केन्द्र ने एक अप्रैल 2021 से 10 अप्रैल 2021 तक बॉण्ड जारी भी किए थे। अदालत ने टिप्पणी भी की थी कि यह दलील मानना मुश्किल है कि मतदाताओं को राजनीतिक चंदों का स्त्रोत जानने का अधिकार नहीं है। बहरहाल कोर्ट के फैसले का स्वागत है।

देश दुनीया से

राजनीति में बदल रहे नैतिकता के मायने

आज की राजनीति को देखकर ऐसा लगने लगा है कि नैतिकता की राजनीति दूसरा तो अवश्य करें, पर ज़ब स्वयं को नैतिकता की कसौटी पर परखने की बारी आए तब नैतिकता के मायनों को बदल दिया जाता है। भारतीय राजनीति में राजनेताओं पर आरोप लगने पर कई लोगों ने अपने पद को त्याग दिया था, दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भारतीय राजनीति को अलग राह पर ले जाने का उदाहरण पेश किया है, हालांकि इस उदाहरण को आदर्श वादिता के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं।

भारतीय राजनीति में ऐसे कई उदाहरण दिए जा सकते हैं, जो आज भी नैतिकता के आदर्श हैं। लेकिन आज की राजनीति को देखकर ऐसा लगने लगा है कि नैतिकता की राजनीति दूसरा तो अवश्य करें, पर ज़ब स्वयं को नैतिकता की कसौटी पर परखने की बारी आए तब नैतिकता के मायनों को बदल दिया जाता है। भारतीय राजनीति में राजनेताओं पर आरोप लगने पर कई लोगों ने अपने पद को त्याग दिया था, दिल्ली के शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भारतीय राजनीति को अलग राह पर ले जाने का उदाहरण पेश किया है, हालांकि इस उदाहरण को आदर्श वादिता के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए हैं। यह एक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति के लिए शोभनीय नहीं हैं। केजरीवाल स्वयं कहते थे कि वे राजनीति में भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए आए हैं, लेकिन अब ज़ब उन पर ही सवाल उठ रहे हैं, तब उनसे भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की आशा करना बेमानी ही कही जाएगी। यहाँ सवाल यह भी उठ रहा है कि दिल्ली के शराब घोटाले में अभी तक जिन पर आरोप लग रहे हैं, उनको जमानत लेने का पर्याप्त आधार नहीं मिल रहा, इसका आशय यह भी है कि सरकार की ओर से कोई न कोई गलत आचरण किया गया होगा, अन्यथा एक मुख्यमंत्री को ऐसे ही गिरफ्तार नहीं किया जाता। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भी यही कहा जा रहा है, उसके पास इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि आम आदमी पार्टी के नेताओं के संकेत पर पैसों का लेनदेन हुआ। दिल्ली में शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिस प्रकार से प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है, उस पर विपक्ष की ओर से सत्ता पक्ष पर कई प्रकार के सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल उठाना विपक्ष की राजनीतिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन इन सवालों की परिधि में प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उस पर विपक्ष कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। इससे इस बात को भी बल मिलता है कि दाल में कुछ काला अवश्य है। प्रवर्तन निदेशालय ने यह साफ तौर पर संकेत दिया है कि केजरीवाल शराब घोटाले का मुख्य आरोपी है। अब यह जांच के बाद ही पता चलेगा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लगाए जा रहे आरोप किस हद तक सही हैं या फिर केजरीवाल अपने आपको निर्दोष साबित कर पाते हैं या नहीं। अगर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से लगाए गए आरोपी प्रमाणित होते हैं तो यह स्पष्ट कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक संवैधानिक पद के प्रभाव का दुरुपयोग किया है। हम यह भली भांति जानते हैं कि अरविंद केजरीवाल अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की उपज हैं। उस समय अरविंद केजरीवाल ने अपने आपको ऐसा प्रचारित किया कि एक वे ही भारतीय राजनीति के उच्चतम आदर्श हैं। लेकिन उनके आचरण पर स्वयं अण्णा हजारे ने सवाल उठाए थे, हालांकि अण्णा हजारे के सवालों को केजरीवाल ने दरकिनार कर दिया। इसका तात्पर्य यही है कि अन्ना हजारे राजनीति में जिस प्रकार का पारदर्शी व्यवहार चाहते थे, वैसा दिखाई नहीं दे रहा था। अब अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भी समाजसेवी अण्णा हजारे की ओर से साफ सुथरी टिप्पणी आई है, जिसमें अण्णा हजारे ने शराब पर नीति बनाने से रोका था। अण्णा हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का परिणाम बताया। आज दिल्ली का शराब घोटाला यही चरितार्थ करते हुए लग रहा है कि शराब किसी भी संस्था या व्यक्ति को बर्बाद कर देती है। यह बात केजरीवाल पर लागू होती है या नहीं, यह तो समय बताएगा, लेकिन जब आग लगती है तब ही धुंआ उठता है और इस धुंए का कालिमा किस किस के शक्ल को बिगाड़ने का काम करेगी, यह समय के गर्भ में है। केजरीवाल की सरकार पर सवाल उठना तो उसी समय प्रारंभ हो गए थे, जब उनका पहला मंत्री जेल में गया। उसके बाद तो जैसे लाइन ही लग गई। राजनीतिक शुचिता लाने का दम दिखाने वाले आम आदमी पार्टी के नेताओं पर इस प्रकार के आरोप लगने केवल राजनीतिक विद्वेष नहीं हो सकता। अगर यह कार्यवाही राजनीतिक होती तो स्वाभाविक रूप से इन सभी को जमानत भी मिल जाती। जमानत नहीं मिलने से यह आशंका प्रबल हो जाती है कि भ्रष्टाचार हुआ है। आम आदमी पार्टी के नेता भी केवल अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का ही विरोध कर रहे हैं, कोई भी यह नहीं कह रहा कि दिल्ली में शराब घोटाला नहीं हुआ या फिर गोवा के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार का पैसा नहीं लगाया।

आप का नजरीया

सियासी आबंटन की सरहदें

हिमाचल में सत्ता संग्राम की सीढियों पर सामाजिक विवेचन की अद्भुत पहल भी देखी जा रही है। यहां मतदाता अपनी जातियों के आधार पर समूह और वर्ग पर केंद्रित सियासी काफिले बना रहे हैं। आश्चर्य यह कि हम विधानसभा क्षेत्रों में नए राजनीतिक आबंटन की सरहद पर खड़े हैं। शुरुआत कांगड़ा से हुई, तो कांग्रेस के सामने कई समूह बोलियां लगा रहे हैं। भाजपा के मापतौल पहले ही अपने अंकगणित को पूरा कर चुके हैं, लेकिन कांग्रेस के घर में जातिवाद की खिड़कियां आपस में झगड़ रही हैं। विधानसभा के धर्मशाला सीट पर कई जातियां और वर्ग कांग्रेस के सोच पर मंडरा रहे हैं। पहली बैठक गद्दी समुदाय की तरफ से हुई, तो कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच यह वर्ग अपने सियासी वजूद की वेदना के साथ सामने खड़ा हो गया। अब ओबीसी समाज ने कांग्रेस की दीवारों पर हक जताते हुए पोस्टर चस्पां करके कई नाम उकेरे हैं। सत्ता से सामाजिक दायरों तक मापतौल का एक पैमाना चुनाव हो सकता है, लेकिन क्या हिमाचल अब इस रूप में पहचाना जाएगा। बेशक किसी भी समुदाय, जाति या गोत्र में पैदा होकर कोई व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल हो सकता है, लेकिन सत्ता का बंटवारा अब बहस का विषय है। स्वयं राहुल गांधी ने कांग्रेस के आधार को पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की शुमारी में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, तो इस तर्क पर हिमाचल में पार्टी के टिकट आबंटन पर असर पड़ सकता है। पहले भी कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से चंद्र कुमार कांग्रेस की टिकट पर सांसद बन कर सामाजिक न्याय के प्रतीक रहे हैं। गद्दी समुदाय से किशन कपूर लोकसभा से हाल ही में निवृत्त हुए हैं। जातीय समीकरणों के आधार पर ही अगर टिकटें सुनिश्चित होतीं, तो प्रदेश को जीएस बाली जैसा नेता नहीं मिलता। यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नेता को जाति, वर्ग या समुदाय बनाता है। नगरोटा बगवां की लगभग आधी आबादी ओबीएस वर्ग से संबंध रखती है, लेकिन जीतने वाले के लिए जातियां दोयम साबित हो रही हैं। समाज वहां अगर सही नेतृत्व ढूंढते हुए जाति भूल रहा है, तो उसे सलाम। आश्चर्य यह कि हिमाचल में नेतृत्व के लिए सत्ता पक्ष ने दो ही जातियां आज तक उपयोगी मानी। सरकारों का इतिहास बताता है कि हिमाचल में सबसे अधिक बार राजपूत मुख्यमंत्री ही बने, जबकि दो बार ब्राह्मण वर्ग के शांता कुमार इस पद पर रहे। नेता तो अन्य जातियों, वर्गों और समुदाय में भी शक्तिशाली व पारंगत हुए, लेकिन इस राज्य की कमान उन्हें अब तक नहीं मिली। ओबीसी तथा गद्दी समुदाय से कई दिग्गज नेता हुए, लेकिन उनके मंत्रालय भी प्रभावशाली साबित नहीं हुए। राजनीति का बदलता परिदृश्य हिमाचली समाज की पेशकश में नेताओं का फिर से मुआयना कर रहा है। सर्वमान्य होने से पहले जो नेता जातियों या वर्गों की वर्दी पहनकर उछलकूद कर रहे हैं, उन्हें पहचाना जाए या जिन्होंने सीढियां चढ़ते हुए यह साबित किया कि वे इस तरह की तफतीश से ऊपर हैं। गाहे-बगाहे हम चुनावों की परिपाटी में समाज के बीच अनावश्यक बंटवारे को देख लेते हैं। समाज को अब साधने और हांकने के लिए राजनीति नित नए बहाने ढूंढ रही है और इसकी विडंबना से हम ऐसे जनप्रतिनिधियों के पल्ले पड़ गए हैं, जो या तो परिवारवाद या जातिवाद की उपज हैं।

ट्रांसफॉर्मर से निकली चिंगारी बनी काल, परिवार के छह लोग जिंदा जले

पटना (हिंस)। बिहार में रोहतास जिले के जिला मुख्यालय सासाराम में एक झोपड़ीनुमा घर में आग लगने पर उस समय घर में मौजूद छह सदस्यों की झुलसकर मौत हो गई है जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना कच्छवां थानाक्षेत्र के इब्राहिमपुर की है। पुलिस के मुताबिक रोहतास में मंगलवार की दोपहर एक घर में भीषण आग लग गई। घटना में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। घर के बगल में लगे ट्रांसफॉर्मर से निकली चिंगारी से यह आग लगी। इसके बाद देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। मृतकों में 30 वर्षीय पुष्पा देवी, उसकी तीन बेटियां, एक बेटा मोहा कुमार और 25 वर्षीय गर्भवती ननद माया देवी हैं। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंच गई है।

राम मंदिर के निर्माण से इंडी गठबंधन को नफरत : नरेंद्र मोदी

पीलीभीत (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पीलीभीत से भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद के समर्थन में राजकीय इंटर कालेज में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित किया। जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सपा कांग्रेस के इंडी गठबंधन को भारत के विरासत की परवाह नहीं है। राम मंदिर के निर्माण से इंडी गठबंधन को पहले भी नफरत थी और आज भी नफरत है। भाजपा के स्व. कल्याण सिंह ने राम मंदिर के लिए सत्ता त्यागी, जबकि इंडी गठबंधन ने राम मंदिर का निमंत्रण ठुकराकर अपमान किया है। उन्होंने कहा कि मोदी की गांरटी याने गारंटी पूरा होने की गारंटी। इंडी गठबंधन ने शक्ति को खत्म करने की सौगंध खाई है। जिस शक्ति की आज देशभर में पूजा हो रही है उस शक्ति का कांग्रेस ने घोर अपमान किया है। शक्ति को कोई उपासक इंडी गठबंधन को इस अपमान के लिए माफ नहीं करेगा। कहा कि कांग्रेस व सपा के राज में गन्ना किसानों को अपने ही पैसे के लिए तरसाया जाता था। भाजपा सरकार में गन्ना किसानों की परेशानी कम करने के लिए पूरी ताकत से काम किया और योगी जी तो पहले दिन से गन्ना किसानों की परेशानी दूर करने के लिए कई कदम उठाए। यह काम लगातार किया जा रहा है। सपा बसपा कांग्रेस के 14 साल में जितने रूपये गन्ना किसानों को मिले थे, उससे ज्यादा पैसे योगी सरकार ने गन्ना किसानों को दे दिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम लोग विकसित भारत के संकल्प को लेकर काम कर रहे हैं। भारत के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। जनता से सवालिया लहजे में मोदी ने पूछा दुनिया में भारत तेजी से बढ़ती आर्थिक ताकत बना तो आपको गर्व हुआ कि नहीं? हमारे चंद्रयान ने जब चांद पर तिरंगा फहराया, भारत में हुए भव्य जी-20 सम्मेलन की पूरी दुनिया में वाहवाही हुई आपको गर्व हुआ कि नहीं? नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना संकट में भारत ने पूरी दुनिया में दवाईयां भेजी व वैक्सीन भेजी। दुनिया में कहीं भी युद्ध का संकट आया हो। हम एक-एक भारतीय को सुरक्षित वापस लाये। देश जब मजबूत होता है तो दुनिया उसकी सुनती है। अब आप बताओ दुनिया में भारत का डंका बज रहा है कि नहीं। यह सब मोदी ने नहीं आपके एक वोट ने किया है। यह आपके वोट की ताकत है। आपके एक वोट से मजबूत निर्णायक व सशक्त सरकार बनी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब नियत सही होती है, हौंसले बुलंद होते हैं तो नतीजे भी सही मिलते हैं। चारों तरफ विकसित भारत का निर्माण होते हम देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांसुरी की सुरीली आवाज है तो दूसरी ओर टाईगर की दहाड़ भी है। यहां के नौजवानों के लिए रोजगार व स्वरोजगार के अवसर बन रहे हैं। पीलीभीत का पूरा क्षेत्र खेती किसानी के लिए जाना जाता है। 10 वर्ष पहले तक किसानों की क्या स्थिति थी। यूरिया की कालाबाजारी होती थी। किसानों को लाठियां खानी पड़ती थी। मोदी ने कहा पीलीभीत में आशीर्वाद देने आए परिवारजनों को आश्वस्त करता हूं कि आपके जीवन को आसान बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। मेरे जीवन का हर पल, हर क्षण जनसेवा और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक ग्लोबल पावर बनने की ओर अग्रसर है। भारत बदल रहा है। बदलते भारत में सुरक्षा व समृद्धि भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर हो रहा है। कोई सोचता था कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन पायेगा। यह संभव हो पाया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण। विकसित भारत की संकल्पना को लेकर मोदी जी आपके बीच आये हैं। 2014 में 2019 में देश के मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व पर विश्वास किया और आज बदलते हुए भारत को सब देख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पीलीभीत से भाजपा सांसद वरूण गांधी का टिकट काटकर उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है। जनसभा को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भी संबोधित किया। पीलीभीत पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने प्रधानमंत्री को बांसुरी भेंटकर स्वागत किया। मंच पर केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, बरेली लोकसभा उम्मीदवार छत्रपाल गंगवार, पीलीभीत से भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार, प्रदेश सरकार के मंत्री राकेश सचान व बलदेव सिंह ओलख, पूर्व मंत्री सुरेश राणा व प्रदेश महामंत्री संतोष सिंह समेत पार्टी के कई नेता मौजूद रहे।

सीवान में दो बच्चों समेत चार लोगों की ट्रेन की चपेट में आकर मौत

पटना (हिंस)। बिहार के सीवान जिले में सीवान-गोरखपुर रेलखंड पर मैरवा स्टेशन के पास लक्ष्मीपुर में मंगलवार को ट्रेन की चपेट में आने से दो बच्चों और दो महिलाओं की मौत हो गयी। बताया जा रहा है कि दो महिलाएं अपने बच्चों के साथ खेत में गेहूं काटने के लिए गई थीं। गेहूं काटने के बाद दोनों महिलाएं बच्चों के साथ खाना खाने के लिए घर लौट रही थी। तभी दोनों बच्चे ट्रैक की ओर चले गए। दोनों बच्चों को ट्रैक पर जाता देख, महिलाएं बच्चों को बचाने के लिए दौड़ी। इसी दौरान चारों ट्रेन की चपेट में आ गए। ये सभी लक्ष्मीपुर गांव के ही रहने वाले बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और रेलवे के अधिकारियों ने पूरी जानकारी ली। रेल पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसीबी के पूर्व डीजीपी बीएल सोनी ने की भाजपा की सदस्यता ग्रहण

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति और रीति से प्रभावित होकर भाजपा पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों की सूची लगातार बढ़ रही हैं। भाजपा में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी भी सदस्यत ग्रहण कर रहे है। मंगलवार को भाजपा कार्यालय में ज्वाइंनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी की उपस्थिति में एसीबी के पूर्व डीजीपी बीएल सोनी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने बीएल सोनी को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। भाजपा ज्वाइंनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 2047 के विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। मोदी के 10 साल के कार्यकाल में योजनाएं धरातल पर पहुंची और विकास के काम तेजी से हुए। ऐसे में विश्व की सबसे बड़ी पार्टी से जुड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ज्वाइंनिंग की इसी कड़ी ने पुलिस प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी बीएल सोनी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद पूर्व डीजीपी बीएल सोनी ने जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की नीतियों को विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए अहम बताया तो पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर गंभीर आरोप लगाए। पूर्व डीजीपी बीएल सोनी ने कहा कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने निजी एवं राजनैतिक स्वार्थ के चलते प्रदेश के लाखों युवाओं के साथ कुठाराघात किया है।

लोकसभा चुनाव : मतदान दिवस पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

जयपुर (हिंस)। आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दिवस को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 22 मार्च 2024 को जारी आदेश की अनुपालना में मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल को जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित हवामहल, विद्याधर नगर, सिविल लाइन, किशनपोल, आदर्श नगर, मालवीय नगर, सांगानेर, बगरू विधानसभा क्षेत्रों में, जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित कोटपूतली, विराटनगर, शाहपुरा, फुलेरा, झोटवाड़ा, आमेर जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र, दौसा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित चाकसू एवं बस्सी विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ सीकर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित चौमूं विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। वहीं अजमेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित दूदू विधानसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार ऐसे कार्मिक जो राजस्थान राज्य के किसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य तौर पर निवासी है और मतदाता के रूप में पंजीकृत है, राजस्थान राज्य के ही अन्य लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में कार्यरत है तथा ऐसे कार्मिक जो अन्य राज्य के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य तौर पर निवासी है और मतदाता के रूप में पंजीकृत है। ऐसे कार्मिक को मतदान के लिए आवेदन करने पर मतदान तिथि को सवैतनिक अवकाश स्वीकृत करने के लिए विभिन्न विभागों, उपक्रमों, बोर्ड एवं निगमों आदि के विभागाध्यक्ष भी प्राधिकृत होंगे।

जीविका दीदी ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

नवादा (हिंस)। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी प्रशांत कुमार के आदेश के आलोक में मंगलवार को जीविका बीपीएम पूनम प्रजापति के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। लोकसभा 2024 निर्वाचन में कोई भी मतदाता मतदान से छूटो नहीं इसके लिए निर्वाचन आयोग के द्वारा कई तरह के कार्यक्रम जिले में चलाई जा रही है। उसी के तहत पकरीबरावां प्रखंड अंतर्गत बाजार सहित विभिन्न गांव मोहल्ले एवं वार्डों में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी एवं जीविका बीपीएम के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम किया जा रहे हैं। जीविका बीपीएम पूनम प्रजापति के नेतृत्व में दर्जनों जीविका दीदी ने बैनर फ्लेक्स में विभिन्न स्लोगन के माध्यम से अपने अधिकार को काम में लाएं मतदान करने जरूर जाएं। जन-जन की है पुकार मतदान करना है मेरा अधिकार। जागरूक मतदाता ही लोकतंत्र का बनेगा भाग विधाता सहित कई स्लोगन के साथ वारसलीगंज मोड तक रैली के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का अभियान चलाया। साथ ही रंगोली, मेहंदी, मसाज जुलूस तथा सभा का आयोजन कर मतदाताओं को लोकतंत्र में वोट का अधिकार एवं महत्व का संदेश देते हुए रिएक्शन तो होगा मतदाताओं को जागरूक करने का काम किया।

लोस चुनाव : किसानों के हित में कार्य कर रही एनडीए सरकार : जयंत चौधरी

मेरठ (हिंस)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मंगलवार को शामली जनपद के ऊन में जनसभा में कहा कि एनडीए सरकार में सभी को सुरक्षा और सम्मान मिलेगा। यह सरकार किसानों के हित में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। कैराना लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार प्रदीप चौधरी के समर्थन में मंगलवार को शामली जनपद के ऊन में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने जनसभा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष पर करारे प्रहार करते हुए कहा कि कभी-कभी कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। जो सरकार चौधरी साहब को भारत रत्न दे सकती है, वह किसानों के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेंगी। अखिलेश छह और सात का गणित सिखा रहे हैं और अब हम एक और एक ग्यारह हैं। जयंत चौधरी ने कहा कि चौधरी साहब के जाने के बाद आपने मुझे बड़ी जिम्मेदारी दी है। मुझे यह अधिकार है कि आपके हित के लिए कार्य करूं। भगत सिंह के परिवार के सदस्यों का आपने सम्मान किया था।

मुख्तार अंसारी की कब्र पर फातिहा पढ़ेगा विधायक बेटा कोर्ट से इजाजत मिली

गाजीपुर (हिंस)। मऊ जिले से सदर विधायक और मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पिता की कब्र पर फातिहा पढ़ने की इजाजत दे दी है। ईद से ठीक पहले 10 अप्रैल को मुख्तार अंसारी की कब्र पर फातिहा पढ़ा जाएगा। जिसमें विधायक अब्बास अंसारी भी शामिल होंगे। फिलहाल अब्बास अंसारी कासगंज जेल में बंद है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उन्हें 13 अप्रैल को वापस जेल भेजा जाएगा। उल्लेखनीय है कि 28 मार्च को मुख्तार अंसारी की बांदा जेल में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। उसके बाद उनके जनाजे में शामिल होने के लिए अब्बास अंसारी ने कोर्ट से अर्जी लगाई थी। उस समय इजाजत नहीं मिल पाई। इसके बाद मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने अब्बास अंसारी को पिता के फातिहा में शामिल होने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने 11 अप्रैल और 12 अप्रैल को विधायक अब्बास अंसारी को अपने परिजनों से मिलने की छूट भी दी है। हालांकि कोर्ट की हिदायत है कि इस दौरान वह मीडिया से किसी भी तरीके कोई बातचीत नहीं करेंगे। जानकारी के मुताबिक अब्बास अंसारी बुधवार को अपने पैतृक आवास गाजीपुर पहुंचेंगे।

हिंदू नववर्ष पर आरएसएस ने मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव

सहरसा (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मंगलवार को हिंदू नव वर्ष के शुभारंभ पर शंकर चौक स्थित विवाह भवन में वर्ष प्रतिपदा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला कार्यवाह द्वारा बौद्धिक रूप में मार्गदर्शन दिया गया। इस मौके पर जिला संघचालक सतीश चंद्र वर्मा एवं नगर संचालक इंजीनियर रामेश्वर ठाकुर भी मौजूद रहे। मुख्य शिक्षक श्रवण कुमार के संचालन मे चले इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम आद्य सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को प्रणाम निवेदित किया गया। तत्पश्चात अमृत वचन सुभाषित सामूहिक गीत का आयोजन किया गया। तत्पश्चात सुभाष चंद्र झा द्वारा व्यक्तिगत एकल गीत का गायन किया गया। इस अवसर पर बौद्धिक देते हुए जिला कार्यवाह विद्यावरण सिंह ने कहा कि सनातन धर्म विश्व की पुरातन संस्कृति है। इस संस्कृति पर सदियों अनेक प्रकार के आक्रमण हुए, जिसमें शक, हुण, यवन, डच, फ्रेंच, मुगल एवं अंग्रेजों ने सनातन धर्म को मिटाने के लिए अनेक प्रकार के अत्याचार किया, जिसके कारण सनातन धर्म कमजोर होता चला गया। इस बात से चिंतित होकर देश को बचाने के लिए डॉक्टर हेडगवार को इस धरती पर भेजा, जिन्होंने वर्षों तक कांग्रेस में रहकर देश को गुलामी से आजाद करने के लिए संघर्ष करते हुए जेल यात्रा भी की। डॉक्टर हेडगेवार ने सोचा कि आखिर हम गुलाम क्यों हुए। इस पर गहन चिंतन कर उन्होंने पाया यह देश हिंदुओं का है। वही हिंदू संगठित नहीं है, जिसके कारण आए दिन आक्रांताओं द्वारा इस पर अनेकानेक प्रहार किया जाता रहा है। इस बात को लेकर उन्होंने गहन चिंतन करने पर पाया कि हिंदू संगठित नहीं है। इसलिए उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना कर समाज को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि अनेक संगठन छद्म रूप से हमारी संस्कृति पर कुठाराघात कर रहे हैं। वही जेएनयू एवं टुकड़े-टुकड़े गैंग द्वारा देश को विभाजित किए जाने का षड्यंत्र किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपने धर्म के प्रति कट्टरता नहीं अपना कर प्रतिबद्धता को अवश्य दोहराएं। उन्होंने कहा कि हम अपने बच्चों को ईसाई मिशनरी के स्कूल में भेज देते हैं। वही स्कूल मिशनरी बच्चों की मन में सनातन धर्म के प्रति घृणा एवं हीनता के रूप में उसके मन में मीठा हजारों वर्ष से जुटने की आवश्यकता है। इस मौके पर नवीन मिश्रा, प्रोफेसर के एस ओझा, सुरेंद्र भगत, रंजीत दास, आशीष टिंकू, रणधीर भगत, सुभाष अग्रवाल, रमाशंकर साह, रतन कुमार सिंहा, ज्ञान प्रकाश दत्त, सुमित कुमार, संजय कुमार, अमरेन्द्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में संक्षेपक मौजूद रहे।

पेपर लीक प्रकरण में आयोग का वाहन चालक गोपाल सिंह सेवा से बर्खास्त

अजमेर (हिंस)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत 24 दिसंबर 2022 को आयोजित सामान्य ज्ञान प्रश्न-पत्र को पेपरलीक की सूचना प्राप्त होने पर स्थगित कर दिया गया था। इसके पश्चात यह परीक्षा 29 जनवरी 2023 को पुनः आयोजित करवाई गई थी। उक्त पेपर लीक प्रकरण में विभागीय जांच के बाद निलंबित वाहन चालक गोपाल सिंह को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। आयोग सचिव द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। गोपाल सिंह दो मई 2023 से न्यायिक हिरासत में है। आयोग सचिव ने बताया कि राजस्थान सिविल सेवाएं (आचरण नियमावली, 1971 के नियम 3 व 4 का स्पष्ट उल्लंघन किए जाने की पुष्टि एवं विभागीय जांच के अन्तर्गत जांच अधिकारी द्वारा की गई जांच एवं व्यक्तिगत सुनवाई में आरोपित कार्मिक पर लगे समस्त आरोप सही पाए जाने के कारण आयोग द्वारा उक्त कार्रवाई की गई है।

उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर हिंदू नववर्ष का स्वागत किया

लखनऊ (हिंस)। राजधानी लखनऊ के कुड़ियाघाट पर मंगलवार को नव संवत्सर की प्रथम बेला पर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर भारतीय नववर्ष का स्वागत किया गया। इससे पूर्व कुड़ियाघाट पर संस्कार भारती की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। भारतीय नववर्ष की बेला पर राजधानी के लगभग सभी प्रमुख चौराहों को भगवा रंग से सजाया गया है। वहीं नववर्ष की पूर्व संध्या पर खाटू श्याम मंदिर के पास गोमती तट पर नव वर्ष चेतना समिति की ओर से दीपदान किया गया था। वहीं आज शहरभर में नववर्ष के उपलक्ष्य में कई स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। खाटू श्याम मंदिर प्रांगण में हिंदू नववर्ष महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर जन जन के नायक श्रीराम के जीवन पर नव चैतन्य स्मारिका का लोकार्पण किया जाएगा। भारतीय हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सव समिति के तत्वाधान में विवेकानंद साप्ताहिक मिलन शाखा द्वारा गोमती तट स्थित प्रतीक उत्सव स्थल (प्रेरणा स्थल) पर भव्य मेले का आयोजन आज सायंकाल किया जाएगा।

जय श्री राम के नारे के साथ भगवाधारियों ने निकाला मंगला जुलूस

रामगढ़ (हिंस)। रामनवमी पूजा महासमिति के नेतृत्व में जिले के अखाड़े और पूजा समितियों ने भव्य मंगल जुलूस निकाला। जय श्री राम के नारे के साथ भगवाधारियों ने आस्था के साथ मनाई जाने वाली इस रामनवमी त्योहार का बड़ा सुंदर आगाज किया है। अयोध्या में भगवान श्री राम की मूर्ति की स्थापना के बाद यह पहला रामनवमी है। इसलिए भगवाधारियों में एक नया जोश दिख रहा था। शहर के सिद्धो कान्हो मैदान से शुरू हुआ यह मंगला जुलूस बाजारटांड़, चट्टी बाजार, झंडा चौक, थाना चौक, मेन रोड होते हुए छावनी परिषद मैदान में जाकर समाप्त हुआ। मंगला जुलूस की झांकी में भगवान श्री राम की झलक भी दिखाई दी। रामनवमी पूजा महासमिति के पदाधिकारी ने भगवान राम की उस मूर्ति का प्रारूप झांकी में शामिल किया था, जो अयोध्या राम मंदिर में स्थापित किया गया है। उस आकर्षक छवि को देखने के लिए आम नागरिकों की भीड़ भी सड़क के किनारे मौजूद थी। भगवान श्री राम कि यह प्रतिमा झांकी में आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। लोग उस प्रतिमा की पूजा कर रहे थे और उसपर पुष्प अर्पित कर रहे थे। मंगला जुलूस में परंपरागत हथियार के साथ भगवाधारी शामिल हुए थे। तलवार, भाला, भुजाली, गड़ासे व अन्य परंपरागत हथियारों का प्रदर्शन भी किया गया। सुभाष चौक पर कई प्रबुद्ध नागरिकों ने परंपरागत हथियार के साथ युद्ध कौशल की कला का भी प्रदर्शन किया। मंगला जुलूस का स्वागत बाजारटांड़, चट्टी बाजार, थाना चौक, झंडा चौक सहित अन्य कई स्थानों पर हुआ। स्थानीय कमेटी के सदस्यों ने जुलूस में शामिल भगवाधारियों के लिए जलपान की व्यवस्था की थी। पूरे रास्ते पेयजल की व्यवस्था भी समाज के लोगों के द्वारा किया गया था। रामगढ़ युवा शक्ति कमेटी के द्वारा राम भक्तों की सेवा की गई। यहां उपस्थित मुख्य संरक्षक आजाद सिंह, तुलसी प्रसाद, दिनेश सिंह ने राम भक्तों की सेवा में जलपान की व्यवस्था की। मंगला जुलूस में शामिल लोगों को रामनवमी और नव वर्ष प्रतिपदा की शुभकामनाएं दी। आजाद सिंह ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद यह पहली रामनवमी मनाई जा रही है। आम नागरिकों में इसे लेकर काफी उत्साह है। पूर्व विधायक ममता देवी, छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा नेता सरदार अनमोल सिंह, संजीत सिंह उर्फ छोटू सिंह, रंजन फौजी, विजय जायसवाल, महासमिति के अध्यक्ष दीपक मिश्रा, राजेश ठाकुर, बलजीत सिंह बेदी, विनय विश्वकर्मा, दुर्गा विश्वकर्मा, शिबू दांगी, प्रवीण कुमार सोनू सहित कई लोग शामिल थे।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 117PSC/CON/Exam-13/2023-2024

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 9th April, 2024, the result of the Screening Test (OMR based) for the post of ***Junior Manager (Mechanical, Civil & IT) in Assam Electricity Grid Corporation Limited (AEGCL)*** (Advt. No. 14/2023 dated 28/04/2023) conducted by the Commission on 26/11/2023. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear in the Interview to be conducted by the Commission. The date(s) of Interview will be notified shortly.

Roll Numbers of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally):

(A) Junior Manager (Mechanical), AEGCL:

40004	40081	40155	40167	40228	40279	40292	40324	40358	40389
40402	40422	40463	40496	40502	40557	40580	40586	40644	40656
40667	40683	40706	40750	40756	40762	40798	40809	40822	40869
40920	40947	40980	40984	41092	41155	41176	41184	41223	41247

(B) Junior Manager (Civil), AEGCL:

10049	10113	10122	10155	10165	10198	10222	10274	10387	10394
10417	10646	10682	10784	10793	10831	10850	10962	11038	11077

(C) Junior Manager (IT), AEGCL:

30011	30019	30058	30141	30150	30191	30196	30198	30202	30231

N.B.: The Commission will not be responsible for any typing/printing mistakes.

-- Janasanyog /D/123/24/10-Apr-24

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

सोना 350 रुपये की बढ़त के साथ 71,700 रुपये के नए हाई पर, चांदी भी नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली ।
बहुमूल्य धातुओं की सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में मांग बढ़ने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 350 रुपये की तेजी के साथ 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इस साल यानी 2024 में अबतक सोने की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस साल सोने का दाम 7,700 रुपये चढ़ा है। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

चांदी की कीमत भी 800 रुपये के उछाल के साथ 84,000 रुपये प्रति किलोग्राम की नयी ऊंचाई पर बंद हुई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में यह 83,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''विदेशी बाजारों में मजबूती के रुख से संकेत लेते हुए दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 71,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही थी, जो पिछले बंद भाव से 350 रुपये की बढ़त है।

विदेशी बाजार कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,336 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से सात डॉलर मजबूत है। गांधी ने कहा, व्यापारियों ने अमेरिकी नौकरियों की उत्साहजनक रिपोर्ट पर ध्यान नहीं दिया और इसके बजाय कुछ सप्ताह से चल रहे सर्राफा की तेजी की प्रवृत्ति पर ध्यान केंद्रित किया। इससे सोने की कीमत एक और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई।

एलकेपी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषण विभाग के उपाध्यक्ष जतीन त्रिवेदी ने कहा, ''वैश्विक कॉमेक्स कीमतों में उछाल से समर्थित सोने की कीमतों में तेजी जारी रही, जो सुबह के शुरुआती घंटों में 2,350 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई।'' इसके अलावा चांदी की कीमतें भी बढ़त के साथ 27.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। पिछले सत्र में यह 27.45 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

सितंबर तक 100 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेल, कईदेशों के बीच तनाव बढ़ने बढ़ेंगे दाम

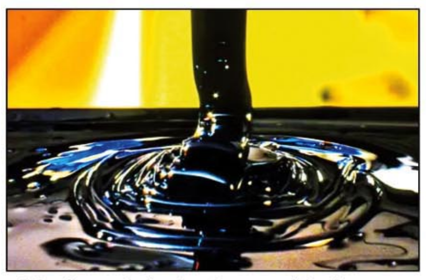

नई दिल्ली । कच्चे तेल के और महंगा होने की आशंका है। जेपी मॉर्गन एंड चेज का अनुमान है कि अगस्त-सितंबर तक कच्चा तेल 100 डॉलर के पार पहुंच सकता है। इससे दुनियाभर में महंगाई बढ़ने को लेकर चिंता उत्पन्न हो गईहै।जेपी मॉर्गन एंड चेज के मुताबिक, कई देशों के बीच नए सिरे से तनाव बढ़ने और आपूर्ति में कमी से क्रूड की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। हाल में क्रूड छह महीने के उच्च स्तर 90 डॉलर के पार पहुंच गया था। वैश्विक स्तर पर बढ़ेगी महंगाई विश्लेषकों के मुताबिक, क्रूड में तेजी महंगाई को लेकर भी चिंता बढ़ा रही है। इससे केंद्रीय बैंकों की दर में कटौती की योजनाओं पर असर पड़ सकता है। वैश्विक आधार पर मांग ठीक है, लेकिन आपूर्ति कम है। मेक्सिको से तेल निर्यात पिछले महीने 35 फीसदी गिरकर 2019 के बाद से निचले स्तर पर आ गया। मार्च में मेक्सिको, अमेरिका, कतर और इराक ने अपने संयुक्त तेल उत्पादन में प्रतिदिन 10 लाख बैरल से अधिक की कटौती की।

दीपक मेहरोत्रा आकाश एजुकेशन के नए एमडी और सीईओ बनेः सितंबर 2023 से खाली थी ये पोजिशन, बायजूस की कंपनी है आकाश एजुकेशन

नई दिल्ली। एडटेक स्टार्टअप बायजूस ओर्न कंपनी आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड ने दीपक

मेहरोत्रा को नया मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर नियुक्त किया है। कंपनी ने यह जानकारी दी। पिछले साल सितंबर 2023 में अभिषेक माहेश्वरी के इस्तीफे के बाद से यह पद खाली था। कंपनी ने बयान जारी कर कहा, मेहरोत्रा ने तत्काल प्रभाव से कार्यभार संभाल लिया है। वहीं, बायजू के फाउंडर और चेयरमैन बायजू रविन्द्रन ने कहा,पियर्सन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में उनकी प्रोफेशनल स्किल्स और अच्छा रिकार्ड आकाश बायजूस को ग्रोथ और इंपैक्ट के नेक्स्ट स्टेज में ले जाने के लिए महत्वपूर्ण होगा। दीपक मेहरोत्रा के पास 35 साल से अधिक का एक्सपीरियंस दीपक मेहरोत्रा के पास एफएमसीजी , टेलीकम्युनिकेशन और एजुकेशन सहित अन्य सेक्टर्स में एग्जीक्यूटिव रोल्स में 35 साल से अधिक का एक्सपीरियंस है। इससे पहले वह आशीर्वाद पाइप्स में 2018 से 2023 तक एमडी थे। इसके अलावा वह पियर्सन इंडिया, भारती एयरटेल, कोका-कोला और एशियन पेंट्स में भी लीडिरशिप पोजिशंस पर काम कर चुके हैं। 2021 में बायजूस ने आकाश का अधिग्रहण किया था बायजूस ने साल 2021 में करीब 1 बिलियन डॉलर में आकाश एजुकेशन सर्विसेज लिमिटेड का अधिग्रहण किया था, जो कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी करने वाले स्टूडेंट्स को कोचिंग देता है। वित्तीय संकट से जूझ रही एडटेक कंपनी बायजूस के फाउंडर बायजू रवीन्द्रन की नेटवर्थ शून्य हो गई है। एक साल पहले यानी 4 अप्रैल 2023 को उनकी नेटवर्थ 2.1 बिलियन डॉलर (तब करीब 17,545 करोड़) थी। फोर्ब्स की बिलेनियर इंडेक्स 2024 में ये जानकारी सामने आई है। फोर्ब्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले साल की लिस्ट से इस बार 4 लोगों को बाहर किया गया है, उनमें रवीन्द्रन भी शामिल हैं।

भारतीय सीईओ का औसत वेतन 13.8 करोड़ रुपये, रिपोर्ट में दावा- कोविड पूर्व की तुलना में 40 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली । भारत में मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) का औसत वेतन 13.8 करोड़ रुपये है, जो कोविड-19 महामारी से पहले की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। डेलॉयट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय सीईओ के कुल पारिश्रमिक का आधे से अधिक हिस्सा अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रोत्साहन से जुड़ा हुआ है। 'डेलॉयट इंडिया एक्जिक्यूटिव परफॉर्मेंस एंड रिवार्ड्स सर्वे 2024' के अनुसार, भारत में मुख्य कार्यपालक अधिकारियों का औसत वेतन 13.8 करोड़ रुपये है। सर्वेक्षण के मुताबिक जो सीईओ प्रवर्तक हैं या प्रवर्तक परिवार के सदस्य हैं, उन्हें औसतन 16.7 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार और सीएचआरओ प्रोग्राम के लीडर आनंदोरूप घोष ने कहा, ''प्रवर्तक सीईओ का पारिश्रमिक, पेशेवर सीईओ के मुकाबले अधिक है। ऐसा मुख्य रूप से दो वजहों से है। प्रवर्तक सीईओ के मुकाबले पेशेवर सीईओ बार-बार बदलते रहते हैं। दूसरी बात यह कि प्रवर्तक सीईओ के मुआवजे की सीमा बहुत व्यापक है, और इससे औसत प्रभावित होता है। डेलॉयट के अनुसार, सीईओ के कुल वेतन में वृद्धि जरूर हुई है, लेकिन पारिश्रमिक का 50 प्रतिशत से अधिक जोखिम पर आधारित भुगतान है। प्रवर्तक सीईओ को किया जाने वाला 47 प्रतिशत भुगतान जोखिम पर आधारित है, जबकि पेशेवर सीईओ के लिए यह आंकड़ा 57 प्रतिशत है।

एसबीआई अमृत-कलश स्कीम में 31 सितंबर तक कर सकेंगे निवेश

इसमें सीनियर सिटिजन को 7.60 प्रतिशत और अन्य को मिल रहा 7.10 प्रतिशत सालाना ब्याज

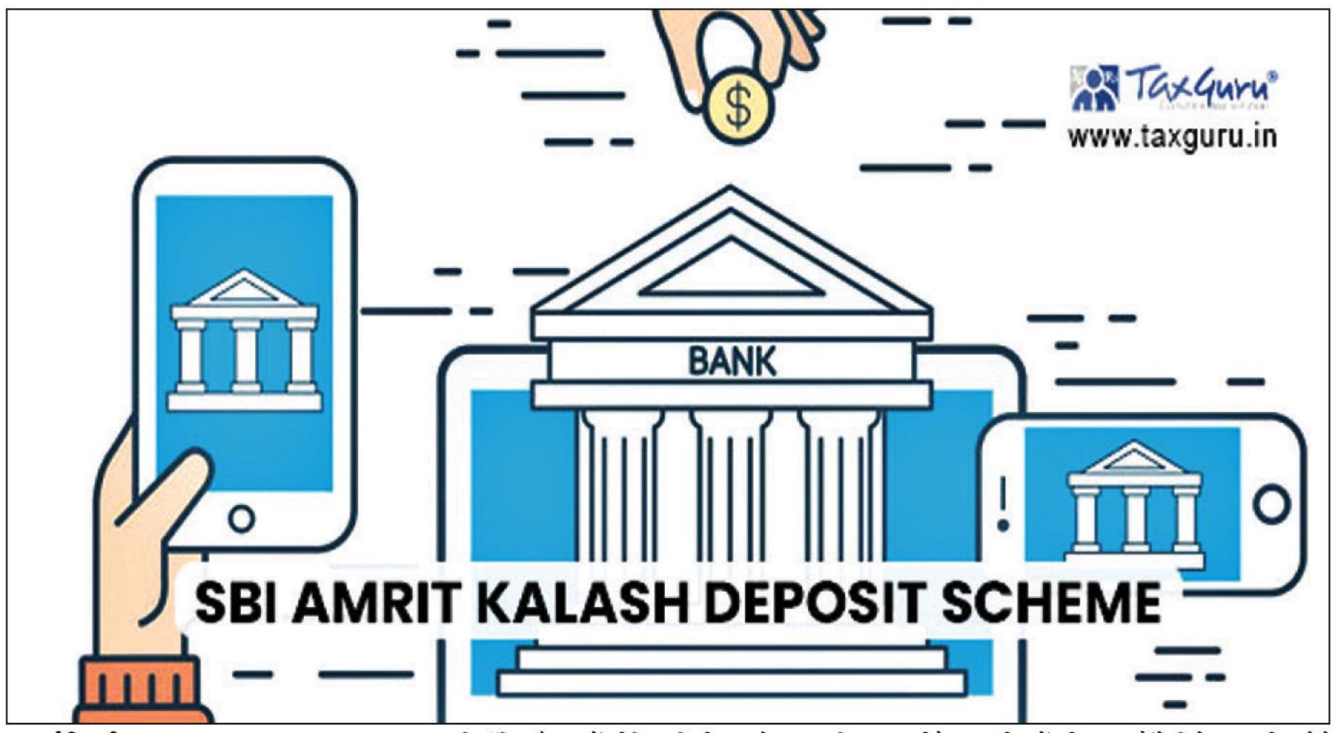

नई दिल्ली।
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी स्पेशल फिक्स डिपॉजिट स्कीम अमृत कलश में निवेश करने की लास्ट डेट बढ़ा दी है। अब इसमें आप 31 सितंबर 2024 तक निवेश कर सकेंगे। पहले इसकी लास्ट डेट 31 मार्च थी। इस स्कीम के तहत सीनियर सिटिजन को फिक्स डिपॉजिट पर 7.60 प्रतिशत और अन्य को 7.10 प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है। ऐसे में अगर आप फिक्स डिपॉजिट पर ज्यादा ब्याज चाहते हैं तो इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। हम आपको इसके बारे में बता रहे हैं। ये एक स्पेशल टर्म डिपॉजिट अमृत कलश एक स्पेशल रिटेल टर्म डिपॉजिट यानी फिक्स डिपॉजिट है। इसमें सीनियर सिटीजन को 7.60 प्रतिशत और आम नागरिकों को 7.10 प्रतिशत के दर से इंटरेस्ट रेट मिलता है। इसमें अधिकतम 2 करोड़ रुपए की फिक्स डिपॉजिट करा सकते हैं। अमृत कलश स्कीम के तहत आपको ब्याज का भुगतान प्रति महीना, प्रति तिमाही और हर छमाही किया जाता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार फिक्स डिपॉजिट ब्याज का पेमेंट तय कर सकते हैं। ऑनलाइन या ऑफलाइन कर सकते हैं निवेश इस स्कीम में निवेश करने के लिए आप बैंक के ब्रांच जाकर भी निवेश कर सकते है। वहीं नेट बैंकिंग और एसबीआई ऐप के जरिए भी इसमें निवेश किया जा सकता है। अमृत कलश पर आम फिक्स डिपॉजिट की तरह ही लोन लेने की सुविधा भी मिलती है। एसबीआई वीकेयर स्कीम में भी कर सकेंगे निवेश एसबीआई ने एक अन्य स्पेशल टर्म डिपॉजिट स्कीम वीकेयर भी चला रहा है। एसबीआई की इस स्कीम में सीनियर सिटीजन को 5 साल या उससे ज्यादा की अवधि के डिपॉजिट पर 50 बेसिस पॉइंट्स का एक्स्ट्रा ब्याज मिलेगा। सीनियर सिटिजन को 5 साल से कम के रिटेल टर्म डिपॉजिट पर आम पब्लिक के मुकाबले 0.50 प्रतिशत ज्यादा ब्याज मिलता है।

वहीं वीकेयर डिपॉजिट स्कीम के तहत 5 साल या इससे ज्यादा की फिक्स डिपॉजिट पर 1 प्रतिशत ब्याज मिलेगा। हालांकि, मैच्योरिटी से पहले निकासी पर अतिरिक्त ब्याज नहीं दिया जाएगा। इसमें भी अब 31 सितंबर 2024 तक निवेश कर सकेंगे।

ऑटोपायलट मोड पर हुए हादसे में इंजीनियर की हुई थी मौत, टेस्ला ने पीड़ित परिवार के साथ किया समझौता

वॉशिंगटन ।
एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने करीब छह साल पहले हुए कार हादसे के एक मामले में मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीड़ित परिवार के साथ समझौता कर लिया है। कोर्ट के दस्तावेजों में इसका खुलासा किया गया है। इस मामले में ज्यूरी ट्रायल अगले हफ्ते से शुरू होने वाले थे, जिसमें टेस्ला कंपनी पर मार्केटिंग के दौरान किए अपने वादों को पूरा न करने का आरोप था।

साल 2018 में हुए हादसे में हुई थी इंजीनियर की मौत

साल 2018 में कैलिफोर्निया के सिलिकॉन वैली इलाके में एक कार हादसे में इंजीनियर वेई लुन हुआंग की मौत हो गई थी। हादसे के वक्त वेई लुन हुआंग टेस्ला कंपनी की मॉडल एक्स कार में सवार थे। जिस वक्त हादसा हुआ, उस वक्त वेई की कार ऑटोपायलट मोड पर थी, लेकिन वह अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे वेई की मौत हो गई। वेई के परिवार ने टेस्ला कंपनी पर कार सेफ्टी को लेकर किए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर करा दिया। अब मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से कहा जा रहा है कि टेस्ला ने पीड़ित परिवार के साथ समझौता कर लिया है। हालांकि समझौते के तहत पीड़ित परिवार को कितनी रकम मिलेगी, इसका अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

वेई के परिजनों के आरोपों पर कंपनी ने कही ये बात

वेई के परिजनों ने टेस्ला के खिलाफ जो मुकदमा दायर कराया था, उसमें कहा गया कि टेस्ला की मॉडल एक्स कार को लेकर दावे किए गए थे कि यह कार ऑटोपायलट मोड में ड्राइवर के लिए पूरी तरह से सुरक्षित है। कार सुरक्षित स्पीड से चलती है, कार तय लेन में ही ड्राइव करती है और हाइवे पर चलने के दौरान यह कार अन्य वाहनों से नहीं टकराती, लेकिन ये दावे झूठे निकले। वहीं जांच में पता चला कि हादसे के वक्त कार के सॉफ्टवेयर ने वेई हुआंग को अलर्ट जारी करते हुए स्टीयरिंग पकड़ने को कहा था। टेस्ला का भी दावा है कि उसकी कार के सेफ्टी फीचर सही हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि ड्राइवर कोई ध्यान ही न दे।

नौकरियों के खतरे पर चीन से नीतियां बदलने का दबाव बनाएगा अमेरिका, वित्त मंत्री येलेन ने कही यह बात

बीजिंग ।
अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा कि बाइडन प्रशासन अमेरिका में नौकरियों को खतरा पैदा करने वाली एक औद्योगिक नीति को बदलने के लिए चीन पर दबाव बनाएगा। उनका यह बयान चीनी अधिकारियों के साथ 4 दिनी बातचीत के खत्म होने के बाद आया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चीनी अफसरों से हुई चर्चा

वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने रूस को यूक्रेन जंग में चीनी कंपनियों द्वारा सहयोग पहुंचाने से जुड़ी अमेरिकी चिंताओं व राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी चर्चा की। येलेन की यात्रा के केंद्र में मुख्य विषय औद्योगिक नीति और चीन के विनिर्माण की अत्यधिक क्षमता से संबंधित मुद्दा था। अमीर देशों को यह डर सता रहा है कि चीन के सस्ते उत्पादों के निर्यात से उनके देश के कारखानों पर असर पड़ेगा। येलेन ने इलेक्ट्रिक वाहनों और उनकी बैटरी तथा सौर ऊर्जा उपकरण के विनिर्माण का जिक्र भी किया। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिन्हें अमेरिकी प्रशासन घरेलू स्तर पर बढ़ावा

देने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, इन क्षेत्रों में चीन सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी ने उत्पाद का तीव्र विस्तार किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा, चीन आज जो कदम उठा रहा है वह उत्पादों के वैश्विक मूल्य में बदलाव ला सकता है।

विदेशी कंपनियों की व्यवहार्यता पर उठेंगे सवाल

अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा, जब वैश्विक बाजार सस्ते चीनी उत्पादों से अटा पड़ा होगा, तब अमेरिकी व अन्य विदेशी कंपनियों की व्यवहार्यता पर सवाल उठेंगे। उन्होंने कहा, हमारा इरादा इन वार्ताओं के दौरान चीनी नीति में बदलाव की जरूरत को रेखांकित करना है।

कनाडा के सबसे बड़े बैंक का सख्त कदम, कंपनी के कर्मचारी के साथ संबंध छिपाने पर सीएफओ को नौकरी से निकाला

ओटावा ।
कनाडा के सबसे बड़े बैंक ने अपने मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) को हाल ही में नौकरी से निकाल दिया। वजह जानकर आप हैरान रह जाएंगे। दरअसल, नादिने आन नाम की अधिकारी का अपने एक कर्मचारी के साथ कथित तौर पर संबंध पाए जाने के बाद उसे रॉयल बैंक ऑफ कनाडा ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

सन् 1999 में नादिने आन ने रॉयल बैंक में काम करना शुरू किया। सितंबर 2021 में सीएफओ बनने से पहले वह ट्रेजरी, जोखिम, निवेशक संबंधों और अन्य वित्तीय भूमिकाओं के रूप में काम कर चुकी हैं।

यह था मामला

पांच अप्रैल को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी हुई। इसमें बैंक की तरफ से कहा गया कि आन के खिलाफ कुछ आरोप लगे, जिनकी जांच की गई। बाद में सामने आया कि उनका अपने एक कर्मचारी के साथ व्यक्तिगत संबंध है। संबंधों के चलते कर्मचारी को प्रमोशन और मुआवजे जैसे कई फायदे दिए गए। इससे आन ने आचार संहिता का उल्लंघन किया। हालांकि जांच में दोनों कर्मचारियों को बैंक के वित्तीय विवरणों के संबंध में किसी भी कदाचार के आरोप से मुक्त कर दिया। मगर बैंक ने फिर भी उनके कार्यों को अपनी आचार संहिता का उल्लंघन माना। बता दें, आचार संहिता कहती है, जो लोग बड़े पद पर हैं उन्हें सभी रिश्तों में सम्मानजनक, पारदर्शी और निष्पक्ष होना चाहिए।

दोनों कर्मचारियों को निकाला

बैंक ने कहा कि आचार संहिता के उल्लंघन के कारण दोनों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि नादिने आन का जिस कर्मचारी से संबंध था, वह उपाध्यक्ष और कैपिटल एंड टर्म फंडिंग के प्रमुख केन मेसन हैं। बैंक ने नादिने के बाद वित्त और नियंत्रक के अपने वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैथरीन गिब्सन को अंतरिम सीएफओ बनाया है।

20 मई को बंद रहेगा शेयर बाजार

एनएसई ने इस दिन मुंबई में लोकसभा चुनाव के चलते ट्रेडिंग हॉलिडे किया घोषित

मुंबई।
लोकसभा चुनाव के चलते 20 मई (सोमवार) को शेयर बाजार बंद रहेगा। इस बात की जानकारी स्टॉक एक्सचेंज ऑपरेटर एनएसई और बीएसई ने दी है। एनएसई ने कहा कि मुंबई में 20 मई को लोकसभा इलेक्शन के लिए वोटिंग होनी है। ऐसे में इस दिन शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट 1881 के सेक्शन 25 के तहत चुनावों में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

इलेक्शन कमिशन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव पांच फेज में 19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई और 20 मई

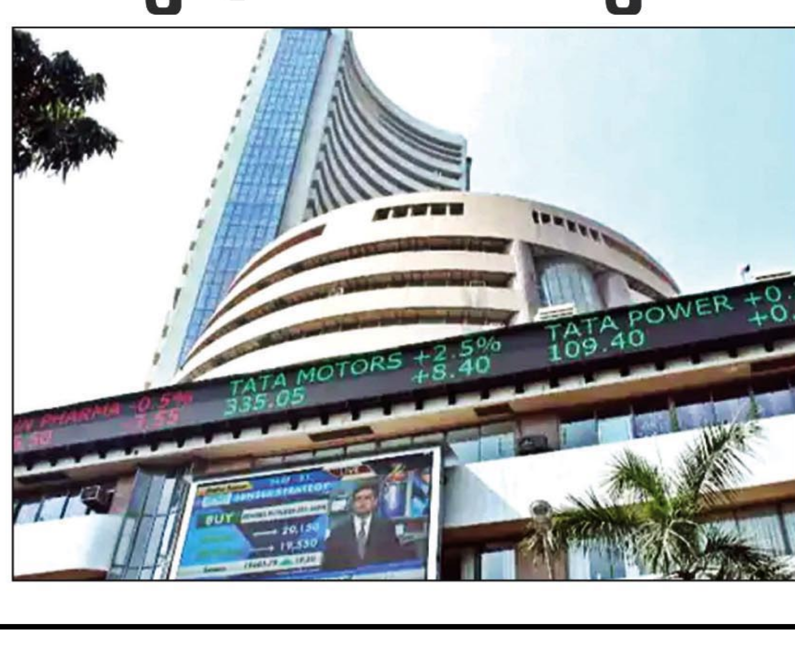

को होंगे।

इक्विटी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग में भी कोई कारोबार नहीं होगा

एनएसई ने सर्कुलर में कहा कि सोमवार, 20 मई 2024 को मुंबई में संसदीय चुनावों के कारण ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। सर्कुलर के मुताबिक, इस दिन इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग और बॉरोइंग सेगमेंट में भी कोई कारोबार नहीं होगा।

20 मई को धुले, डिंडोरी, नासिक, भिवंडी, कल्याण, ठाणे, मुंबई नॉर्थ, मुंबई नॉर्थ वेस्ट, मुंबई नॉर्थ ईस्ट, मुंबई साउथ, मुंबई साउथ सेंट्रल, मुंबई नॉर्थ सेंट्रल और पालघर लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं वोटों की काउंटिंग की तारीख 4 जून 2024 तय की गई है।

1 मई को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर भी बंद रहेगा शेयर बाजार

इसके अलावा 1 मई को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर भी शेयर बाजार बंद रहेगा। इससे पहले रमजान ईद (11 अप्रैल) और राम नवमी (17 अप्रैल) के अवसर पर भी बाजार बंद रहेगा।

8 अप्रैल को सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया

वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स ने 74,869 का और निफ्टी ने 22,697 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में ये थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 494 अंक की तेजी के साथ 74,742 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं, निफ्टी में भी 152 पॉइंट की तेजी रही, ये 22,666 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा बंधन बैंक के शेयर में 6.21 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। दरअसल, कंपनी के शेयर पर ये दबाव सीईओ चंद्र शेखर घोष के इस्तीफे के बाद आया।

सिंधू और लक्ष्य के सामने कठिन चुनौती, शुरुआती दौर में ही शीर्ष चीनी शटलरों से मुकाबला

नई दिल्ली ।
एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और इस वर्ष ऑल इंग्लैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य सेन के सामने कठिन चुनौती है।

सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं तो उनके सामने छठी वरीय चीन की हान यू होंगी, जबकि लक्ष्य के सामने पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के शी यूकी होंगे। एचएस प्रणय का पहले दौर में चीन के लू गुआंग जू से मुकाबला होगा।

सात्विक-चिराग नाम वापस ले चुके हैं - पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन का यह अंतिम टूर्नामेंट हैं। इसके बाद ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले शीर्ष 16 शटलरों की रैंकिंग जारी होनी है। इस टूर्नामेंट से सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी पहले ही नाम वापस ले चुकी है। बावजूद इसके टूर्नामेंट में एशिया के सभी शीर्ष शटलर शिरकत कर रहे हैं। इनमें शीर्ष वरीय कोरिया की एन से यंग, ओलंपिक विजेता चीन की चेन यू फेई, ताईवान की ताई जू यिंग, जापान की अकाने यामागुची के अलावा पुरुष वर्ग में शी यूकी, सिंगापुर के लोह कीन यू, इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी, जापान के केंता निशिमोतो, कोडाई नरोका जैसे शटलर शामिल हैं। सात्विक और चिराग की जोड़ी इस वर्ष शानदार फॉर्म में चल रही है और उनसे पुरुष डबल्स वर्ग में इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने की उम्मीद है।

श्रीकांत पहले दौर में गिंटिंग से भिड़ेंगे - सिंधू के सामने पहले दौर में मलयेशिया की गोह जिन वेई होंगी। अगर वह क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तो उनके सामने यामागुची हो सकती हैं।

लक्ष्य एशियाई खेलों के दौरान हांगझोऊ में टीम मुकाबलों में शी यूकी को हरा चुके हैं। उनका ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करना लगभग तय माना जा रहा है।

प्रियांशु राजावत पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से और किदांबी श्रीकांत इंडोनेशिया के तीसरी वरीय एंथोनी सिंसुका गिंटिंग से भिड़ेंगे। महिलाओं में आकर्षी कश्यप पहले दौर में थाईलैंड की ओ बुसानन से खेलेंगी।

न्यूज ब्रीफ

सुमित नागल ने दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी को हराया, पहला सेट गंवाने के बाद की जबरदस्त वापसी

मोंटे कार्लो। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने यहां दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मात्तेओ अर्नाल्डी को हराकर पहली बार एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट में मुख्य ड्रॉ में जीत दर्ज की।

भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी नागल ने क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के जरिये एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में प्रवेश किया था। उन्होंने इतालवी प्रतिद्वंद्वी को 5-7, 6-2, 6-4 से हराया। अब उनका सामना डेनमार्क के होल्गर रूने से होगा जो विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं। नागल ने तीसरी बार शीर्ष 50 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराया है, जबकि इस सत्र में इस स्तर के खिलाड़ी पर उनकी ऐसी दूसरी जीत है। उन्होंने सत्र की शुरुआत में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर बुलबिक को हराया था। इससे पहले उन्होंने मार्च 2021 में चिली के क्रिस्टियन गैरिन को अर्जेंटीना ओपन में हराया था। अपने से उच्च रैंकिंग खिलाड़ियों को हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करने वाले नागल ने क्लेकोर्ट टूर्नामेंट में इस जीत के साथ कॅरिअर में पहली बार 80 रैंकिंग तक पहुंचना सुनिश्चित कर लिया है। फिलहाल वह दुनिया में 95वें नंबर के खिलाड़ी हैं। सुमित ने मार्च में इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई किया था लेकिन पहले दौर में कनाडा के मिलोस राओनिक से पराजित हो गए थे। क्वालिफाइंग दौर में नागल ने दुनिया के 63वें नंबर के खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली को सीधे सेटों में हराया था।

गंभीर ने धोनी को भारत का सबसे सफल कप्तान बताया

नई दिल्ली । आईपीएल में केकेआर के मेंटार गौतम गंभीर ने सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रदर्शन करते हुए उन्हें भारत का सबसे सफल कप्तान करार दिया है। गंभीर ने कहा कि धोनी एक ऐसे कप्तान हैं

जिनके रहते हुए विरोधी टीम अंतिम गेंद तक जीत का दावा नहीं कर सकती है। गंभीर ने धोनी की योजनाओं और स्पिनर्स पर नियंत्रण के कौशल की सराहना की और उन्हें खेल का फिनिशर भी माना है। धोनी की चतुर मानसिकता की प्रशंसा करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि जब तक धोनी मैदान पर हैं, विरोधी टीम आखिरी गेंद तक यह नहीं सोच सकती कि वह जीत जाएगी। गंभीर ने कहा कि धोनी अब तक के सबसे बेहतरीन कप्तान है। मुझे नहीं लगता कि कोई भी कप्तान इतना सफल होगा जितने वह हैं। उन्होंने 3 आईसीसी खिताब जीते हैं। जब आईपीएल में धोनी के खिलाफ मेरी लड़ाई की बात आती है तो धोनी अपनी रणनीतिक मानसिकता के कारण इसका आनंद लेते हैं। हां, आईपीएल में मैंने भी इसका हर तरह से आनंद लिया है क्योंकि मुझे पता था कि धोनी के पास वह मानसिकता है। वह रणनीति के मामले में बहुत अच्छे हैं। गंभीर ने कहा कि धोनी जानते है कि स्पिनरों को कैसे नियंत्रित किया जाता है। किसी बल्लेबाज के खिलाफ फील्डिंग कैसे लगानी है। वह कभी हार नहीं मानते।

चहल को टी20 विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया जाना चाहिये : सहवाग

नई दिल्ली । पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने भारतीय टीम से बाहर चल रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसे आगामी टी20 विश्वकप के लिए शामिल किया जाना चाहिये। सहवाग के अनुसार चहल बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। इसी कारण उन्हें एक बार भी विश्वकप खेलने का अवसर नहीं मिल पाया है। सहवाग ने कहा कि चहल बल्लेबाजों के दिमाग के अनुसार गेंदबाजी करते हैं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि उन्हें आगामी विश्वकप में अवसर मिलेगा। सहवाग के अनुसार चहल ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से अपनी लय साबित की है। राजस्थान रॉयल्स की रॉयल चैलेंजस बेंगलुरू पर जीत में भी उनकी अहम भूमिका नहीं। इसके अलावा पिछले मैचों में भी उन्होंने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया था। आरसीबी के खिलाफ चहल ने कुल 2 विकेट लिए थे। सहवाग ने कहा, युजवेंद्र चहल टी20 क्रिकेट के महान गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी उन्हें उस प्रकार से अवसर नहीं मिले हैं जैसे मिलने चाहिये थे। टी20 विश्वकप में अब कुछ ही महीने बचे हैं पर वह भारतीय टीम से बाहर हैं। उन्हें खराब प्रदर्शन के नाम पर बाहर किया गया है पर वह आईपीएल में अपनी लय दिखा रहे हैं।

आईओए प्रमुख उषा का बड़ा आरोप, कहा-कार्यकारी परिषद के सदस्य मुझे दरकिनार करने की कोशिश कर रहे

नई दिल्ली ।
भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि बागी कार्यकारी परिषद के सदस्य अवज्ञा करके उन्हें दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें उनके द्वारा नियुक्त एक अधिकारी को सेवा बर्खास्तगी पत्र जारी करना भी शामिल है। कार्यकारी परिषद के नौ सदस्यों ने यहां आईओए कार्यालय परिसर में एक हस्ताक्षरित नोटिस चिपकाया था जिसमें 'अनधिकृत व्यक्तियों' को संघ के मुख्यालय में प्रवेश नहीं करने के लिए कहा गया था। इस नोटिस को उषा ने 'मनमाना' बताया और यह उनके द्वारा नियुक्त दो अधिकारियों के लिए था। कार्यकारी परिषद के अधिकतर सदस्यों ने इससे पहले दावा किया था कि उन्होंने जनवरी में आईओए सीईओ के रूप में रघुराम अय्यर की नियुक्ति को अमान्य घोषित करने वाले निलंबन आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने यह भी दावा किया कि उन्होंने अजय नारंग को आईओए अध्यक्ष के कार्यकारी सहायक के पद से 'बर्खास्त' कर दिया है। उषा ने कार्यकारी परिषद के सदस्यों द्वारा नारंग को दिया गया बर्खास्तगी पत्र मिलने की बात स्वीकार की लेकिन इसे 'पूर्णतया निरर्थक' कहकर खारिज कर दिया। उषा ने कार्यकारी परिषद के बागी सदस्यों को भेजे अपने जवाब में कहा, यह देखकर निराशा होती है कि हम अब भी एक टीम के रूप में काम नहीं कर पा रहे हैं और आपकी हर हरकत मुझे दरकिनार करने की कोशिश है। मेरे पास आप सभी को यह याद दिलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि कर्मचारियों की नियुक्ति और बर्खास्तगी सहित दैनिक

प्रशासनिक कार्य कार्यकारी परिषद का काम नहीं है। कार्यकारी परिषद के रूप में हमें अपनी शक्तियों और अधिकारों का उपयोग आईओए को ऊंचाइयों पर ले जाने के अधिक महत्वपूर्ण कार्य के लिए करना चाहिए। पूर्व दिग्गज धाविका ने कहा, आईओए स्टाफ को निर्देश दिया जाता है कि वे आईओए भवन के भीतर लगाए गए नोटिस की किसी भी प्रति को हटा दें। इसके अलावा आईओए स्टाफ को मेरे कार्यकारी सहायक के माध्यम से मेरे कार्यालय से मार्गदर्शन और निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया जाता है। जनवरी में सार्वजनिक रूप से सामने आई आईओए की आंतरिक कलह अब भी जारी है जबकि पेरिस ओलंपिक शुरू होने में सिर्फ तीन महीने बाकी हैं। उषा ने कहा कि सात जून 2023 को नियुक्त किए गए नारंग का पद पर बने रहना या बर्खास्तगी केवल उनकी सिफारिश पर आधारित होगी, ना कि किसी और की इच्छा पर। उन्होंने कहा, बर्खास्ती दस्तावेज पूरी तरह से अमान्य हैं। अध्यक्ष के कार्यकारी सहायक की नियुक्ति कार्यकारी परिषद के अधिकार क्षेत्र में नहीं है और इसलिए बर्खास्तगी कानून के अनुसार नहीं है। मैं कैप्टन अजय कुमार नारंग (सेवानिवृत्त) द्वारा किए गए काम से संतुष्ट हूं और उनकी सेवाएं समाप्त करने का कोई कारण नहीं दिखता।

उन्होंने कार्यकारी परिषद के सदस्यों से अनुरोध किया कि वे आईओए संविधान द्वारा दी गई शक्तियों और जिम्मेदारियों के इतर काम नहीं करें और उसके प्रावधानों का सीधा उल्लंघन न करें। उषा ने कहा, मैं एक बार फिर आपसे आग्रह करती हूं कि आप भारत में खिलाड़ियों और ओलंपिक अभियान की बेहतरी के लिए एक टीम के रूप में काम करना शुरू करें।

छह जनवरी को अय्यर को सीईओ बनाए जाने के कुछ ही दिनों बाद कार्यकारी परिषद के 15 में से 12 सदस्यों ने आरोप लगाया था कि उषा ने इस नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए उन पर 'दबाव डाला' था। इस आरोप को हालांकि उषा ने 'शर्मनाक' बताया। हालांकि उषा द्वारा आईओए में लाए जाने के बाद से अय्यर और नारंग अपने आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे। उषा ने जोर देकर कहा कि उन्हें सीईओ पर पूरा भरोसा है और उन्हें नियुक्त करने के निर्णय से पीछे नहीं हटेंगी।

सीईओ का वेतन 20 लाख रुपये प्रति माह और भत्ते (कुल सीटीसी लगभग तीन करोड़ रुपये प्रति वर्ष) है जो उषा और कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्यों के बीच विवाद का केंद्र में माना जाता है। सदस्यों ने दावा किया है कि आईओए अध्यक्ष ने इस मामले पर 'एकतरफा' निर्णय लिया। आरोपों का जवाब देते हुए उषा ने कहा कि सीईओ की नियुक्ति पर कार्यकारी परिषद की बैठक (जनवरी में) में विस्तार से चर्चा हुई थी और उसमें उपस्थित अधिकतर सदस्यों ने इसकी 'पुष्टि' की थी।

उन्होंने कहा कि कार्यकारी परिषद के अधिकतर सदस्यों ने आईओए में धन की कमी का हवाला देते हुए सीईओ के लिए निर्धारित पारिश्रमिक पर फिर से बातचीत की सिफारिश की और पूर्व में सहमत वेतन में 30 प्रतिशत से अधिक कटौती की गई। उषा ने कार्यकारी परिषद के सदस्यों को यह भी चेतावनी दी थी कि यदि वे अवज्ञा जारी रखते हैं तो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति हस्तक्षेप कर सकती है और भारत को निलंबित कर सकती है।

मयंक यादव अगले दो मैचों से बाहर हो सकते हैं: ग्रोइन में दर्द की शिकायत; एलएसजी के सीईओ ने दिया हेल्थ अपडेट

नई दिल्ली ।
लखनऊ सुपर जाइंट्स के सीईओ विनोद बिष्ट ने टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव के हेल्थ को लेकर बयान जारी किया है। ऑफिशियल बयान में बिष्ट ने कहा, मयंक को पेट के निचले हिस्से में हल्का दर्द है। ऐसे में उन पर कोई दबाव ना रहे, इसको लेकर बतौर एहतियातन अगले एक हफ्ते तक उनका वर्कलोड मैनेज किया जाएगा। उम्मीद है कि हम उन्हें जल्द ही मैदान पर देख देखेंगे। एलएसजी को इस सप्ताह 12 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ में ही अपना अगला मैच खेलना है, जबकि 14 अप्रैल को वे कोलकाता नाइट राइडर्स से कोलकाता में भिड़ेंगे। ऐसे में संभावना है की मयंक इन दोनों मैच से बाहर रह सकते हैं।

मयंक गुजरात के खिलाफ केवल एक ओवर ही फेंक सके

टीम के पिछले मैच में 7 अप्रैल को गुजरात के खिलाफ मयंक एक ओवर की फेंक सके। बाद में वे चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए और फिर गेंदबाजी या फील्डिंग के लिए मैदान में नहीं आए। इस मैच में मयंक ने 140किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी की, जबकि पिछले दो मैचों में उन्होंने 150+ की स्पीड के साथ लगातार बॉलिंग की थी। गुजरात के खिलाफ मैच के बाद एलएसजी के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने कहा, मैंने मयंक के साथ बातचीत की और वह ठीक लग रहे थे, जो एक टीम के लिए पॉजिटिव बात है।

इस सीजन मयंक ने 156.7 की स्पीड टच की

मयंक ने इस सीजन पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल में डेब्यू किया और 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड को आसानी से पार कर लिया। उन्होंने अपने दूसरे आईपीएल मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 14 रन देकर तीन विकेट लिए और 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी भी की, जो इस सीजन की सबसे तेज गेंद है।

टी20 में रोहित के नाम है ये उपलब्धियां

मुंबई ।
भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के नाम टी20 प्रारुप में एक ऐसा रिकार्ड है जो अभी तक किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी के नाम नहीं हैं। रोहित इस प्रारुप में पहला शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। इसके अलावा कप्तान के रूप में रोहित अभी तक एक बार भी टी20 टूर्नामेंट का फाइनल नहीं हारे हैं। वह विश्व में सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पुरुष खिलाड़ी भी हैं। इसके साथ ही रोहित 250 टी20 मैच जीतने वाले भी पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं।

रोहित सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। साल 2007 में रोहित ने मुंबई की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेला था। अभी तक उन्होंने 430 मैच खेले हैं। इसमें उनकी टीम ने 250 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं भारतीय टीम की ओर से रोहित ने साल 2007 टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। भारतीय खिलाड़ियों में कोई भी जीत के मामले में रोहित के करीब नहीं हैं। महेंद्र सिंह धोनी 222 जीत के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं धोनी ने अभी तक अपने करियर में 381 टी20 मुकाबले खेले हैं। घरेलू क्रिकेट में रोहित सिर्फ मुंबई का हिस्सा रहे हैं जबकि आईपीएल में मुंबई इंडियंस से पहले डेक्कन चार्जर्स के लिए खेलते थे। वहीं विश्व में सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाले खिलाड़ी वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड है। दुनिया की लगभग सभी लीग में खेलने वाले पोलार्ड के प्लेइंग इलेवन में रहते उनकी टीम

359 मुकाबले जीती है। दूसरे नंबर पर 325 जीत के साथ पाकिस्तान के शोएब मलिक हैं।

मेरा लक्ष्य मैच जीतना रहता है, स्ट्राइट रेट पर ज्यादा ध्यान नहीं देता : बाबर आजम

लाहौर ।
सीमित ओवरों के लिए एक बार फिर पाकिस्तान क्रिकेट टीम की कप्तान मिलने से उत्साहित बाबर आजम ने कहा है कि वह एक अलग प्रकार के खिलाड़ी हैं। इसलिए उनकी तुलना किसी अन्य से नहीं की जानी चाहिये। वहीं कम स्ट्राइट रेट के कारण हो रही आलोचनाओं को लेकर आजम ने कहा कि उनका लक्ष्य मैच जीतना रहता है, इसलिए अन्य बातों पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देते। उन्होंने कहा कि मैं एक अलग खिलाड़ी हूं और मैदान पर स्थिति के अनुसार अपने को ढाल लेता हूं। क्रिकेट आजकर बहुत तेज होने लगा है पर मैच जीतना ही मेरा अंतिम लक्ष्य रहता है।

बाबर ने साथ ही कहा कि मैं इस बात पर ध्यान केंद्रित करता हूं कि पारी को आगे बढ़ार किया प्रकार मैच कैसे जीते जायें। साथ ही कहा कि मैच बनाना और पारी खेलना अलग-अलग चीजें होती हैं। मैच जिताने में ये दोनों चीजें शामिल रहती हैं। इसमें इस बात का ध्यान रखना होता है कि शुरआत से अंत तक के ओवर किस प्रकार खेलने होते हैं।

साथ ही कहा कि , मैं अपने खेल को समझता हूं। मैं जानता हूं कि मुझे किस प्रकार

के स्ट्रोक्स लगाते हुए मैच आगे बढ़ाना है। ये काफी कुछ हालातों पर भी आधारित रहता है। अगर हालात अच्छे रहते हैं तो मैं खुलकर खेलता हूं पारी को बढ़ना है तो रुककर खेलता हूं। साथ ही कहा कि अगर हमारे पास विकेट हैं तो हम ज्यादा स्ट्राइक रेट से भी खेल सकते हैं। इसलिए सबसे अधिक अहम ये है कि मैच में हम किस हालत में हैं।

पीसीबी ने किया कोचिंग स्टाफ का ऐलान

अजहर महमूद न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए हेड कोच होंगे; दो टीम मैनेजर भी नियुक्त

मुंबई ।
अजहर महमूद न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए पाकिस्तान के हेड कोच होंगे। पाकिस्तान टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 अप्रैल से 5 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। सीरीज के शुरुआती तीन मैच रावलपिंडी और दो मैच लाहौर में होंगे। पिछले साल अक्टूबर में भारत में हुए वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद से ही हेड कोच का पद खाली है। पीसीबी अब तक स्थायी कोच नियुक्त नहीं कर पाया है और वर्ल्ड कप के बाद से ही पीसीबी विभिन्न सीरीज के लिए कोच की नियुक्ति कर रहा है।

अजहर पाकिस्तान टीम के साथ कर चुके हैं काम

अजहर महमूद पाकिस्तान टीम के साथ

2019 में बतौर बॉलिंग कोच काम कर चुके हैं। वह पाकिस्तान सुपर लीग में कोचिंग करते हैं। वह इंग्लिश एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड से प्रमाणित कोच भी हैं।

अन्य कोचिंग स्टाफ की नियुक्ति

पीसीबी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए चीफ कोच के अलावा अन्य कोचिंग स्टाफ की भी नियुक्ति की है। पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान राष्ट्रीय चयनकर्ता मुहम्मद यूसुफ को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। वहीं दो टीम मैनेजर भी नियुक्त किए गए हैं।

वहाब रियाज को सीनियर टीम मैनेजर और पूर्व स्पिनर मंसूर राणा को टीम मैनेजर नियुक्त किया गया है। पूर्व क्रिकेटर अजमल को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। बाबर को फिर से वनडे और टी-20 का कप्तान बनाया गया कुछ दिन पहले ही बाबर आजम को एक फिर से वनडे और टी-20 का कप्तान नियुक्त किया गया था। बाबर ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में खराब प्रदर्शन के बाद तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद टेस्ट का कप्तान शान मसूद को और टी-20 फॉर्मेट का कप्तान शाहीन अफरीदी को बनाया गया था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा

शाहीन अफरीदी की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार झेलनी पड़ी थी।

युवा जगत

6 तरह के शूज़, जो हर लड़के के पास जरूर होने चाहिए

इंसान की पहचान अक्सर उसके जूतों से होती है। शायद इसलिए किसी भी लड़के की शूज़ के लिए चाहत बेशुमार होती है और उनकी ये चाहत कभी कम नहीं होती और होनी भी नहीं चाहिए। जब आप शूज़ खरीदने के लिए ऑनलाइन या किसी शॉप में घंटों बिता देते हैं और फिर भी आपको समझ नहीं आता कि कौन सा शूज़ आपके लायक है

तो ऐसे में आपको एक गाइड की जरूरत महसूस होती है, जो आपको सही शूज़ खरीदने में मदद करे। अगर आपको भी ऐसे गाइड की जरूरत है तो फिर घबराए नहीं, हम है ना! आप भी जानिए ये 6 शूज़ जो हर जेंटलमैन के पास होने चाहिए।

ब्रोगये शूज़

का शायद सबसे क्लासिक पेयर है। लंबे और एलिगेंट राउन्डेड एजेज़ और सजी हुई perforations (जाली जैसा डि?ाइन) से बने ये शूज़ शायद हर किसी का सपना होगा।

ये जहां आपके सूट को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट करेगा वही किसी भी फॉर्मल ऑकेज़न के लिए भी एक अच्छा ऑप्शन है।

बूट्स

इसे आप लिस्ट में जरूर सोच रहे होंगे और सोचे भी क्यों न? बूट्स जितना विमिन के वार्डरोब लिए जरूरी होता उतना ही द्वद्गठ्ठ के लिए भी होता।

आप चाहें तो क्लासी रग्ड (घिसे हुए लुक वाले) बूट्स या ट्रेडियर डेजर्ड बूट्स चूज़ कर सकते हैं। अपने स्टाइल के हिसाब से इन्हें सेलेक्ट करें क्योंकि ये sturdy फुटवेयर आपके डेनिम को स्टाइल-अप करने के लिए जरूरी जो है।

स्नीकर्स

हम सभी को मालूम होगा कि स्निकर्स क्या होते हैं इसलिए इनके बारे में शायद हमें बताने की जरूरत नहीं। इसे आप जींस या चिनोज़ के साथ पहनें और पाएं एक कैजुअल लुक।

बोट शूज़

कई कलर्स में आने वाले इन शूज़ को आप स्प्रिंग और समर दोनों का मसीहा कह सकते हैं, जो अभी काफी ट्रेंड में भी है। ये न सिर्फ काफी आरामदायक होता बल्कि इसे अलग-अलग ऑउटफिट के साथ पहन सकते हैं। तो चाहे वो आपका डेनिम हो, स्टाइलिश कार्गो शॉर्टस या फिर आपका पसंदीदा कफ्ड अप चिनोज़, ये शूज़ सभी को अच्छी तरह से कॉम्पिलिमेंट करेगा।

मोकैसिन्सये शूज़

आपके उन दिनों के लिए है जब आप शूज़ पहनना नहीं चाहतें पर मजबूरन आपको इन्हें पहनना पड़ता है। मॉकसिन्स या लोफर्स ऐसे स्लिप-ऑन शूज़ हैं जो आपके स्टाइल को बढ़ाने के साथ-साथ आपके पैरों के लिए भी काफी आरामदायक होते हैं। ये आपको स्वेड और मैट फिनिश में मिल जाएंगे।

एस्पाड्रिल्स

ये शूज़ अभी काफी ट्रेंड में हैं पर कुछ लोग इसे जूता मानने से इंकार करते हैं। इन द्बह्यश्चड्ड्र-द्बद्दद्बद्यद्स्र शूज़ का ऊपरी भाग कैनवास या कॉटन से बना होता है और इनका सोल जूट से बना होता है। इन्हें आप ना सिर्फ शॉर्टस के साथ पहन सकते हैं बल्कि ये आपकी क्रॉप्ड जींस को भी कॉम्पिलिमेंट करेंगे। किसी बीच पर जाना हो या फिर एक कैजुअल डे-आउट पर, ये शूज़ अच्छा ऑप्शन है।

बिना दर्द के हो सकेगी शुगर की जांच

डायबिटीज के मरीजों को अब प्रतिदिन के दर्द देने वाले ग्लूकोज टेस्ट से छुटकारा मिल सकता है। शोध में नैनो ट्रांजिस्टर के जरिये शरीर में ग्लूकोज की मात्र में होने वाले बदलाव को मापा गया है। यह ट्रांजिस्टर एक तरह से कृत्रिम अग्नाशय के रूप में काम करता है। इस प्रयोग से हम टाइप वन श्रेणी के डायबिटीज का भी अच्छी तरह से पता लगा सकते हैं और समय पर इलाज में मदद दे सकते हैं।

बड़ा सरल है अध्यात्म की यात्रा का यह रास्ता..

अध्यात्म बड़ा सरल है। फिर भी लोग मन में कई भ्रांतियां पाल लेते हैं कि कहीं आध्यात्मिक होने पर घर छोड़कर संन्यास लेना पड़ जाए, कहीं बैरागी न हो जाऊं, कहीं गृहस्थ धर्म न छोड़ दूं। अध्यात्म तो हमें जीवन जीना सिखाता है। जैसे कोई भी मशीन खरीदने पर उसके साथ एक मैन्युअल बुक आती है, ऐसे ही तन-मन को चलाने के लिए मैन्युअल बुक गीता आदि आध्यात्मिक शास्त्र और गुरु होते हैं, जो हमें शरीर, इंद्रियों, मन, बुद्धि अहंकार का प्रयोग करना सिखाते हैं। घर-गृहस्थी में तालमेल बिठाना सिखाते हैं, समाज में आदर्श के रूप में रहना सिखाते हैं, मन को सुलझाना सिखाते हैं। अतः धर्म कोई भी हो, लेकिन सभी को आध्यात्मिक अवश्य होना चाहिए।

रास्ते का मजा

सवाल उठता है कि अध्यात्म का लक्ष्य क्या है? यह समझो जैसे आप कभी पहाडियों पर घूमने जाते हैं। पहाडियों पर मंजिल भी वैसी ही होती है, जैसा रास्ता। फिर आप रास्ते के साइड सीन का आनंद लेते हैं, हर सीन को देखकर प्रसन्न होते हैं, उसका मजा लेते हैं। फिर अंत में जहां पहुंचते हैं, वहां भी वही दृश्य पाते हैं। अत: रास्ते का ही मजा है। लॉन्ग ड्राइव में आप रास्ते का ही आनंद लेते हैं। अध्यात्म की यात्रा भी ऐसी ही होती है जिसमें रास्ते का ही मजा है।

जीते जी मुक्ति

अध्यात्म कहता है कि बीतते हुए हर पल का आनंद लो, उस पल में रहो, हर पल को खुशी के साथ जियो। हर परिस्थिति, सुख-दुख, मान-सम्मान, लाभ-हानि से गुजरते हुए अपने में मस्त रहो। द्वंद्वों में सम्भाव में रहो क्योंकि मुक्ति मरने के बाद नहीं, जीते जी की अवस्था है। जब हम अपने स्वरूप के साथ जुड़कर हर पल को जीते हैं, तब वह जीते जी मुक्त भाव में ही बना रहता है। अध्यात्म कोई मंजिल नहीं, बल्कि यात्र है। इसमें जीवन भर चलते रहना है। यह यात्रा हमें वर्तमान में रहना और अभी में आनंद लेना सिखाती है।

अभी में' रहें

यदि 'अभी में' रहकर उस आनंद भाव में नहीं आए तो कभी हम आनंद में नहीं आ पाएंगे और जब भी आएंगे, उस समय भी अभी ही होगा। वैसे हम पूरा जीवन अभी-अभी की श्रृंखला में जीते हैं। जन्म से लेकर मृत्यु तक अभी-अभी-अभी में ही जीते हैं। फिर भी मन भूतकाल या भविष्य में ही बना रहता है और भूतकाल का दुःख या भविष्य का डर या लालच में ही मन घूमता रहता है लेकिन जब हम अभी में आते हैं, उसी समय से हमारे जीवन में अध्यात्म का प्रारम्भ होता है और फिर हम इस अभी-अभी की कड़ी को पकड़ कर रखते हैं। इसलिए मुक्तिअभी में है, भविष्य में नहीं। अत: यदि हम जीवन भर अभी को पकड़ कर रखें फिर हम जहां हैं जैसे हैं, वहीं आध्यात्मिक हो सकते हैं।

आपको युवा बनाए रखती है अश्विनी मुद्रा

अश्विनी मुद्रा के बारे में बताते हुए लाइफ गुरु सुरक्षित कहते हैं कि जैसे अश्व (घोड़ा) लीध करने के बाद अपने गुदाद्वार को बार-बार सिकोड़ता ढीला करता है, उसी प्रकार गुदाद्वार को सिकोड़ना और फैलाने की क्रिया को ही अश्विनी मुद्रा कहते हैं। घोड़े में इतनी शक्ति और फुर्ती का रहस्य यही मुद्रा है।

इसलिए इंजन की ताकत अश्व शक्ति (हॉर्स पावर) से मापी जाती है। यह ऐंटी ग्रेविटी अभ्यास है। इससे शरीर को चलाने वाली ऊर्जा बढ़ती है। सभी अंगों को बल मिलता है, शरीर की ताकत बढ़ती है, नपुंसकता दूर होकर पौरुष शक्ति बढ़ने लगती है। हृदय को बल देने वाली यह क्रिया हर्निया, मूत्र दोष, गुदा सम्बन्धी रोग, बवासीर, कब्ज व स्त्री रोगों में बड़ी उपयोगी है। इसके अभ्यास से

मूलाधार चक्र में स्थित कुण्डलिनी शक्ति जागने लगती और हमें लम्बे समय तक युवा बनाए रखती है।

विधि : आराम से किसी ध्यानात्मक आसन में आंख बंदकर बैठ जाएं, दोनों हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रख लें। सांस की गति को सामान्य करें। अब सांस को बाहर निकालें और पेट को अंदर की ओर खींचकर ध्यान को गुदा द्वार या मल त्याग स्थान पर लाकर अनस मसल्स को ऊपर की ओर खींचे व ढीला छोड़े। यह प्रक्रिया लगातार करते रहें। इसके बाद फिर सांस भरें और सांस बाहर छोड़कर फिर से इसका अभ्यास करें। यथाशक्ति इसका अभ्यास करें। इस अभ्यास को सौ बार तक किया जा सकता है।

हेल्थ सीक्रेट

जानें उंगलियों से जुड़े कुछ दिलचस्प तथ्य

क्या आपने कभी अपनी उंगलियों के बारे में कुछ जानने की कोशिश की है? यदि नहीं तो चलिए हम आपको उंगलियों के बारे में कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताते हैं। एक सामान्य इंसान को दोनों हाथों में 5-5 उंगलियां होती हैं। जिसके प्रारंभ अंगूठे से होता है, इसके बाद, दूसरी सूचकांक होती है, तीसरा केंद्र और चौथी अंगूठी वाली व पांचवीं छोटी उंगुली होती है। तो चलिए जानते हैं इन उंगलियों के बारे में कुछ और कमाल के रोचक तथ्य।

कितने बढ़ते हैं नाखून

आपको बता दें कि उंगलियों के नाखून एक महीने के भीतर तकरीबन एक इंच के दसवें हिस्से तक बढ़ते हैं। वहीं पैर की उंगलियों के नाखूनों के बढ़ने की गति अंगलियों के नाखूनों की तुलना में एक चौथाई तक कम होती है।

सबसे बड़े हाथ

दुनिया में सबसे बड़ा हाथ वाला आदमी चीन के लूई हुई है। उनके बाएं अंगूठे की लम्बाई 10.2 इंच तथा इंडेक्स फिंगर की लंबाई 12 इंच है। लूई हुई एक प्रकार की असामान्य स्थिति माक्रोडक्टीलय से पीड़ित हैं।

अंगुलियों की सबसे अधिक संख्या

भारत के दो लोगों को उंगलियों की अंगुलियों की संख्या पूरी दुनिया में सबसे अधिक है। उनके हाथ पौरों में कुल 25 उंगलियां हैं, जिनमें से 12 उंगलियां हाथ में और 13 पैर में हैं। रिंग फिंगर सबसे कमजोर अंगली होती है क्योंकि यह ही अकेली ऐसी उंगली है जो केंद्रीय व छोटी उंगली के साथ फ्लेक्सोर मांसपेशी को साझा करती है।

यूनीक फिंगरप्रिंट

जैसा कि हम जानते हैं कि हर इंसान अलग, विशेष फिंगरप्रिंट होते हैं, लेकिन दो जुड़वा लोगों के एक जैसे फिंगरप्रिंट हो सकते हैं। लेकिन इस प्रकार के असामान्य लोग 10 करोण में कोई 1 होता है। वहीं कुछ विरले लोग ऐसे भी होते हैं जिनके उंगलियों के निशान ही नहीं होते।

कैसे बनते हैं फिंगर प्रिंट

बच्चे, बड़े और बूढ़ों के उंगलियों के निशानों में अलग अलग तरह के ऑर्गेनिक कंपाउंड यानि ऑर्गेनिक मिश्रण होते हैं और जब कोई व्यक्ति किसी चीज़ को छूता है, तो उसके अणु और लिपिड उस जगह पीछे छूट जाते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि मृत्यु के बाद भी बाल और नाखून बढ़ते रहते हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल गलत है। दरअसल बेजान शवों के सूख जाने और सिकुड़ जाने के कारण वे बढ़ते हुए नजर आते हैं।

बदलते हैं फिंगरप्रिंट

ब्रिटेन के शोधकर्ताओं ने उंगलियों के निशानों के एक नए पहलू पर किए एक शोध में पाया कि उम्र, धूम्रपान, मादक पदार्थों और कुछ विशेष निजी उत्पादों के सेवन से उंगलियों के निशान बदलते हैं।

सबसे तेज और धीमा

सबसे तेज बढ़ने वाले नाखूम सबसे बड़ी उंगली के होते हैं। वहीं सबसे धीमें बढ़ने वाले नाखून सबसे छोटी अंगुली के होते हैं। हर उंगली और पैर की उंगली जड़ से निकल कर बड़ा होने में छह महीने लग जाते हैं। सेंट्रल फिंगर का नाखून सबसे तेज़ बढ़ता है।

बेजोड़ कला का नमूना है विश्व प्रसिद्ध ढाई दिन का झोंपड़ा

स्थापत्य कला की दृष्टि से विश्व की अति सुन्दर इमारतों में शामिल किये जाने योग्य इस प्राचीन भवन का निर्माण 1152-53 ईस्वी में चौहान नरेश विग्रहि राज चतुर्थ ने कराया था। ऐसा भी माना जाता है कि उक्त भवन 1075 ई. में तत्कालीन चौहान नरेश (दुर्लभ राज तृतीय अथवा विग्रह राज तृतीय) के समय निर्मित हुआ था। मूलतः यह महाविद्यालय का भवन था (सरस्वती कण्ठा भरण) किन्तु तराइन के दूसरे युद्ध 1192 में पृथ्वीराज चौहान तृतीय के हार जाने के बाद अजमेर में व्यापक स्तर पर तोड़फोड़ की गई और इस भवन को भी बहुत नुकसान पहुंचाया गया। इसे मस्जिद में बदलने का कार्य कुतुबुद्दीन एबक ने किया जो 1199 ई. तक चलता रहा। उन्नीसवीं सदी में यहां पंजाब से आकर कोई संत (पंजाब शाह बाबा) रहने लगे और यहां उसका देहान्त हो गया। उनका उर्स मनाने के लिए फकीर गण यहां ढाई दिन तक रहने लगे और तभी से यह प्राचीन विद्यालय भवन ढाई दिन का झोंपड़ा कहा जाने लगा। सन् 1909 में खुदाई के दौरान इस भवन के प्रांगण में एक शिवलिंग मिला है। सन् 660 ई. के आस-पास वीरम काला नामक व्यक्ति ने अजमेर के इसी क्षेत्र में एक विशाल जैन मंदिर बनवाया था किन्तु उसकी वास्तविकता ज्ञात नहीं है और उस समय की गई व्यापक तोड़-फोड़ के परिणाम स्वरूप उक्त मंदिर का भी नामोनिशान मिट गया, वैसे ही जैसे अजयराज चौहान द्वितीय द्वारा बनवाये गये अनेक मंदिर व भवन भी मुस्लिम सैनिकों ने मिट्टी में मिला दिये। ऐसी तोड़-फोड़ में बरबाद हुए हिन्दू मंदिरों, भवनों का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि जो चौहान कालीन शानदार झील बीसल सर और उसके चतुर्दिक महल-मंदिर बादशाह जहांगीर के अजमेर प्रवास के समय (1613-16) तक विद्यमान थे, वे सब आज कहीं भी देखने को नहीं मिलते। अत: सरस्वती काण्ठाभरण भी उसी तोड़-फोड़ के परिणाम स्वरूप खण्डहरों में बदल गया।

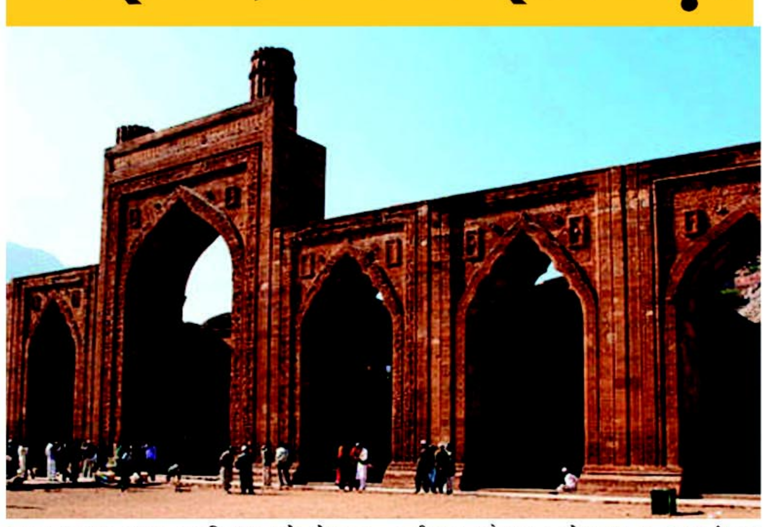

मूलत: यह भवन 254 वर्ग फीट की लगभग 15 फीट ऊंची चौकोर चौकी पर लाहित पीत वर्णी पत्थरों से बना हुआ है। मुख्य द्वार (पूरब में) पर चार झरोखे थे जिनमें तीन अभी देखे जा सकते हैं। एक विशाल द्वार दक्षिण में था जो टूटी-फूटी अवस्था में अभी भी है। इस तरफ दो मंजिलों में द्वार के दोनों तरफ दीवार में आश्रम थे जिनमें पहली मंजिल पर छत आश्रम भग्नावस्था में अभी भी है। मुख्य द्वार के दोनों तरफ वाले आश्रमों में अभी इसी भवन के मग्नावशेष (कलात्मक स्तंभ व पत्थर) सुरक्षित रखे हुए हैं। बांई तरफ के समस्त निर्माण लुप्त हो गये हैं, केवल 8-10 फीट चौड़ी दीवार शेष है। प्रांगण में चार चबूतरे हैं जिन पर भी भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं व कुछ कब्रें (बाद की बनी हुई) हैं।

मुख्य द्वार के बिल्कुल सामने पश्चिम दिशा में पहले सरस्वती भवन था। यहां लगभग 84 फीट ऊंचे स्तम्भ यथावत हैं। इस भवन की छत नयनाभिराम है जिसमें पांच विशाल गुम्बद कलात्मक स्तंभों पर (70 स्तंभ) दर्शनीय हैं। पांच पंक्तियों में विभक्त स्तंभों की पहली पंक्ति पश्चिमी दीवार में धंसी हुई है। इस दीवार पर छह छोटे एवं एक बड़ा मेहराब बना है।

यह मेहराब मुस्लिम काल का है तथा उस पर कुरान की आयतें उत्कीर्ण हैं। इसी मेहराब में एक मेम्बर (धर्म गुरु के खड़े रहने का स्थान) है। गुम्बदों के भीतरी भागों पर बारीक स्थापत्य और इसी भांती इनके दोनों तरफ अनके ब्लाक्स (आलेनुमा चौकोर) में विविध आकारों का उत्कीर्ण मनमोहक है। भवन के पूरब की तरफ साढ़े ग्यारह फीट मोटी स्क्रीन वाली दीवार में सात खूबसूरत मेहराब हैं। मुख्य मेहराब 22 फीट 3 इंच चौड़ी और इसके दोनों तरफ वाली तीन-तीन मेहराब साढ़े पांच इंच चौड़ी हैं। इस दीवार पर भी कुरान की आयतों के अलावा बारीक उत्कीर्ण अरबी शैली के हैं।

यह कलात्मक दीवार 185 फीट लम्बी और 56 फीट ऊंची है। कर्नलटॉड ने इस परिवर्तित मस्जिद रूप को अरबी शैली का शानदार नमूना कहा है जबकि जनरल कनिंधम इसे भारतीय शिल्पकला का कमाल कहते हैं।

सरस्वती भवन के चारों तरफ चार मठ थे और चारों कोनों पर तारानुमा आकर्षक छतरियां वाली मीनारें थीं। इनमें केवल पूर्वोत्तर कोने की मीनार के भग्नावशेष ही बचे हुए हैं। इसी भांति स्क्रीन वाल के मुख्य मेहराव के ऊपर मिजान रूप में निर्मित दो मीनारें (खोखले टॉवर) अभी भी देखी जा सकती हैं। दक्षिणी मीनार की एक मंजिल टूट चुकी है और उत्तरी मीनार पर सुल्तान इल्तुतमिश का नाम पदवी उत्कीर्ण है। यहां पर 1857 ई. में की गई खुदाई में अरबी, संस्कृत, हिन्दी के अनेक शिलालेख व पट्टियां मिली हैं। भूरी शिलाओं पर उत्कीर्ण लिपी देवनागरी में है। अरबी भाषा का पुराना शिलालेख 1199 ई. का इमामसाह संगमरमरी पर है। इस प्रकार सरस्वती भवन एतिहासिक दृष्टि से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

रेसिपी

पोहा कटलेट

सामग्री

1 कप पोहा, 2 चम्मच मैदा, 3 आलू (उबले और मैश किए हुए), 1/2 चम्मच राई, तेल **तलने के लिए,** 1 प्याज (बारीक कटा हुआ), 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 2 चम्मच हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1/4 हल्दी पाऊडर, 1/2 चम्मच नींबू का रस, थोड़ा सा हरा धनिया(बारीक कटा हुआ),नमक स्वादअनुसार

विधि

सबसे पहले पोहे को पानी में 5 मिनट के लिए भिगो कर रख दें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, प्याज और मैदा डाल कर फ्राई करें। अब इसमें लाल मिर्च पाऊडर, हरी मिर्च, हल्दी पाऊडर डालकर मिक्स करें। इस मिश्रण को एक कटोरे में निकाल लें। इस मिश्रण में भिगोया हुआ पोहा, नमक, हरा धनिया,आलू और नींबू का रस डाल कर मिक्स करें। अब इस मिश्रण को थोड़ा सा हाथ में ले और कटलेट की शेप दें। ऐसे ही बाकी कटलेस तैयार करें।अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें कटलेट्स को फ्राई करें। पोहा कटलेट तैयार है। इन्हें गरमा-गर्म चटनी के साथ परोसे।

ब्रेड भजीया

सामग्री

5 किलो ब्रेड स्लाईस, 1/2 कप ताजा गाढ़ा दही, 3/4 कप बेसन, 1 टी-स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर 1/4 टी-स्पून हींग, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, नमक स्वादअनुसार, तेल , तलने के लिए, **परोसने के लिए,** टमैटो कैचप

विधि

ब्रेड स्लाईस के किनारे निकाल लें। ब्रेड को छोटे टुकड़ो में तोड़ लें, सभी सामग्री के साथ एक गहरे बाउल में डाल लें और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, चम्मच भर घोल डालकर, सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल ले। टमैटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

इसीलिए बीच में न छोड़े जिम

अक्सर देखा गया है कि कई लोग फिटनेस गोल पाने के बाद बीच में ही जिम छोड़ देते हैं। अगर आप भी ऐसा कुछ सोच रहें हैं तो सावधान रहें, बीच में इस तरह से जिम छोड़ना आपको भारी पड़ सकता है। बीच में जिम छोड़ने का असर सबसे पहले शरीर पर होता है, क्योंकि वजन बढ़ने लगता है। वर्कआउट करने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और कैलोरी बर्न होती है। जब आप जिम छोड़ देते हैं तो

आपका वजन बढ़ने लगता है। दिल से जुड़ी बीमारियों से जूझना पड़ सकता है। 12 हफ्ते के बाद ही फिटनेस लेवल में गिरावट आने लगती है बीच में जिम छोड़ने से मांसपेशियों की क्षमता में भी कमी आ जाती है। इम्यून सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है। खानपान के प्रति लापरवाही की वजह से इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। अगर जिम छोड़ना है तो एक्सरसाइज करते रहें। वॉकिंग, जॉगिंग, रनिंग, सिट-अप और पुश अप जैसे हल्के व्यायाम कर सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**